



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 1 नवम्बर 2026

VISIT:

www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 359 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

‘मोदी और शाह के निर्देश पर चुनाव आयोग चला रहे ज्ञानेश कुमार, तत्काल हटाया जाए...’

● ‘जन महाभियोग’ में बोले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर चुनाव आयोग चला रहे हैं। खड़गे ने ‘जन महाभियोग’ कार्यक्रम में सीईसी के खिलाफ प्रस्ताव रखते हुए कहा कि विपक्ष का ज्ञानेश कुमार से कोई निजी बैर नहीं है, बल्कि उसकी मांग है कि आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम करे। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने सत्ता बरकरार रखने के लिए साजिश रची है और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। खड़गे ने कहा है कि विपक्ष देश के

लोगों के मताधिकार तथा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता की रक्षा के लिए पूरी ताकत

है। ‘जन महाभियोग’ खड़गे के 10, राजाजी मार्ग स्थित आवास पर हो रहा है।



से लड़ाई लड़ रहा है। खड़गे ने आरोप लगाया कि देश में वोट चोरी की जा रही

‘राजनीतिक दलों को तोड़ा, सरकारों को गिराया’

चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता से समझौता नहीं होने देंगे

खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी ताकत लगाएगा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं होने देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की स्वतंत्रता को प्रभावित कर रही है, जबकि लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बनाए रखना जरूरी है।

रामलीला मैदान में रविवार को होगी रैली

एक नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली के लिए कांग्रेस और विपक्षी दल जुटे हुए हैं। लोगों के ठहरने की व्यवस्था, रैली स्थल का प्रबंधन, साफ-सफाई और सोशल मीडिया प्रबंधन समेत विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए समितियां बनाई गई हैं। इंडिया गठबंधन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों के विरोध ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर यह रैली निकाल रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ‘2014 से सत्ता हथियाने और उसे बनाए रखने के लिए हर मुमकिन साजिश रची गई है। इन्होंने सांसदों को चुराया है, राजनीतिक दलों को तोड़ा है, सरकारों को गिराया है और इलेक्टोरल बॉन्ड, ध्वज तथा CBI का इस्तेमाल किया है और अब ये वोट चुरा रहे हैं।’

आईएमडी बोला-नया तूफान 3 नवंबर को आंध्र तट से टकराएगा

अर्नब के असर से राजस्थान में ओले गिरे

उत्तराखंड में बर्फबारी, ओडिशा में लैंडस्लाइड

एजेंसी नई दिल्ली। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना एक कम दबाव का क्षेत्र अब ‘डिप्रेशन’ में बदल गया है। यह चक्रवाती तूफान बन

ओडिशा में चक्रवात से हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को बाढ़ और भूस्खलन से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में नौ महीने का बच्चा भी शामिल है। दिल्ली-NCR में निर्माण पर रोक केन्द्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने दिल्ली-NCR में 5 से 20 नवंबर तक निर्माण और तोड़फोड़ के कामों पर



सकता है। IMD के डायरेक्टर मृत्युंजय महापात्र ने कहा, ‘संभावित तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 80 से 90kmph रहने की उम्मीद है। यह 3 नवंबर को आंध्र तट से टकरा सकता है। इधर, देश में अर्नब तूफान का असर बना हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हो रही है। राजस्थान में ओले गिरे। कई जिलों में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया।

रोक लगा दी है। यह रोक धूल उड़ाने वाले बाहरी कामों पर लागू होगी। इस दौरान में दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और गौतम बुद्ध नगर के सरकारी और निजी कार्यालयों में आधे कर्मचारी घर से काम करेंगे। यह आदेश 8 नवंबर की दिवाली और नवंबर के पहले दो हफ्तों में पराली जलाने से बढ़ने वाले प्रदूषण को देखते हुए जारी किया गया है।

पंजाब- आप ने जेल में बंद मंत्री को उम्मीदवार बनाया

पहली लिस्ट में सीएम मान समेत 40 एमएलए को टिकट

एजेंसी नई दिल्ली। साल 2027 की शुरुआत में पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने 40 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में मुख्यमंत्री भगवंत मान का नाम भी है, जो कि धुरी विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में होंगे।

पंजाब चुनाव को लेकर जारी आप की लिस्ट के मुताबिक, लुधियाना और अमृतसर सहित कई अहम सीटों पर भी पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बता दें कि शुक्रवार को ही आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया भी बैठक में थे।

नहीं बदली गई मुख्यमंत्री भगवंत मान की सीट

मुख्यमंत्री भगवंत मान की सीट धुरी के बदले जाने की खबरें चल रही थीं लेकिन पार्टी ने तय किया कि सीट नहीं बदली जाएगी। इसी धुरी सीट से



भगवंत मान ने बड़ी जीत दर्ज की थी। उन्होंने 2022 में दलबीर सिंह गोल्डी 58,206 वोटों से हरा दिया था। इसीलिए आलोकमान द्वारा उन्हें धुरी से ही चुनाव लड़ने के लिए कहा गया है।

आप ने जीतने वालों पर किया फोकस

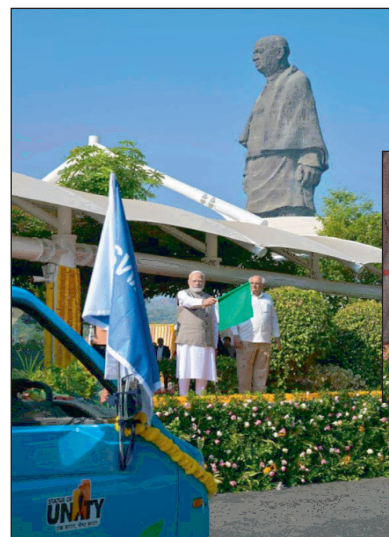
इस बैठक में ही पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई। पार्टी ने खास तौर पर उन नेताओं पर विचार किया जिन्होंने लगातार दो चुनाव जीते हैं और जिन्हें तीसरी बार मौका दिया जा सकता है। इसके बाद शनिवार को पहली लिस्ट जारी कर दी गई।

मोदी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई

● सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी

● 182 मीटर की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति

एजेंसी नर्मदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर स्थित पेरड ग्राउंड में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल हुए। यह समारोह देश के पहले गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। समारोह के दौरान एकता पेरड का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और केंद्रीय पुलिस संगठनों की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के जवानों ने विभिन्न प्रदर्शन किए और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस वर्ष के समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा में सुरक्षा बलों के योगदान और सशस्त्र वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ उनकी भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। पेरड में नौ राज्यों और



एक केंद्र शासित प्रदेश की 16 मार्चिंग टुकड़ियों के साथ चार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और एक मार्चिंग बैंड ने हिस्सा लिया। पेरड के प्रमुख आकर्षणों में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी)

की ‘हेल मार्च’ टुकड़ी, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पुरुष एवं महिला जवानों का मोटरसाइकिल पर साहसिक प्रदर्शन तथा



बीएसएफ की ओर से विभिन्न भारतीय मार्शल आर्ट का संयुक्त प्रदर्शन शामिल रहा।

इसके अलावा स्कूली बच्चों की ओर से पाइप बैंड प्रस्तुति और भारतीय वायुसेना का ‘सूर्य किरण’ फ्लाईपास्ट भी समारोह के प्रमुख आकर्षणों में शामिल रहा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई।

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता के शिल्पी, उन्होंने 563 से अधिक रियासतों को एकजुट करके अखण्ड भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 31 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं पावन जयन्ती है। सरदार पटेल भारत की एकता के शिल्पी थे। उन्होंने 563 से अधिक रियासतों को एकजुट करके अखण्ड भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया। वह स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, संविधान सभा के महत्वपूर्ण स्तम्भ, भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री थे। आज वह भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके कार्य और स्मृतियां प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि कोई भी ऐसा कार्य न हो, जिससे देश की एकता भंग हो अथवा भारत की अखण्डता को चोट पहुंचे। मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस पर 1,725 करोड़ रुपये लागत की प्रशिक्षण एवं रोजगार सृजित करने की ऐतिहासिक पहल सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना का शुभारम्भ करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने रोजगार मित्र पोर्टल का शुभारम्भ तथा गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी एवं

गौतमबुद्धनगर में योजना के अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्रों का वचुंअल माध्यम से शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को

लोगों को देश की एकता एवं अखण्डता बनाए रखने हेतु स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलायी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जाति, प्रान्त, मत, सम्प्रदाय, रूप-रंग, बोली और



प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र, टूलकिट तथा सीपेट से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए। मुख्यमंत्री जी के समक्ष टाटा इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, अशोक लीलैण्ड, बी0वी0जी0 रूप, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज, सीपेट, एशियन डेवलपमेंट बैंक, आवाड़ा रूप तथा मिण्डा के साथ एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित

भाषा अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारी भाव-भंगिमा एक है और वह एक भारत, श्रेष्ठ भारत है। भारत आज एक, श्रेष्ठ और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद और नक्सलवाद से मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य डेवलपमेंट बैंक, आवाड़ा रूप तथा मिण्डा के साथ एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित

ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा उनके विराट व्यक्तित्व का प्रतीक है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश के युवाओं को उनकी रूचि, योग्यता और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है। सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना इसी उद्देश्य से प्रारम्भ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत युवाओं को रूचि के अनुसार कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी और प्रशिक्षण के उपरान्त किसी संस्थान, फैक्ट्री अथवा अन्य प्रतिष्ठान में उनका प्लेसमेंट कराने का प्रयास किया जाएगा। यदि कोई युवा नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर जापान अथवा जर्मनी जाना चाहता है, तो उसे सम्बन्धित देश की भाषा और वहां की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। सम्बन्धित संस्थाओं एवं दूतावासों के सहयोग से विदेश में रोजगार के लिए जाने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे युवा को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसी प्रकार कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। किसान सामान्य खाद्यान्न, फल और सब्जियों के उत्पादन के साथ उनका मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और पैकेजिंग करके अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

श्रेष्ठ पृष्ठ 3 पर

बुलेट ट्रेन 3.30 घंटे में दिल्ली से वाराणसी पहुंचेगी

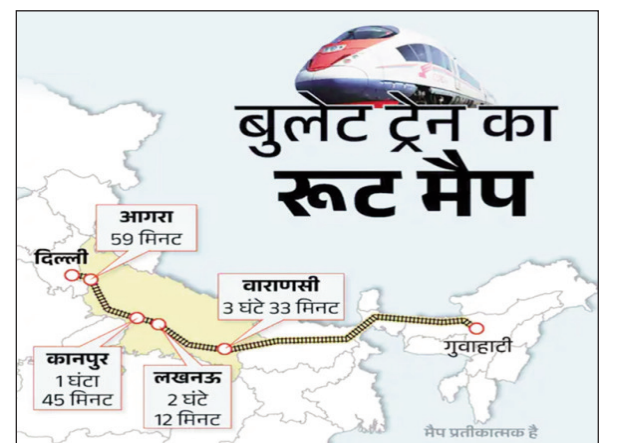
अयोध्या और लखनऊ भी रुकेगी, पीएम ने नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दी

एजेंसी नई दिल्ली। नई दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन एक घंटे में नई दिल्ली से आगरा और 3 घंटे 30 मिनट में वाराणसी पहुंच जाएगी। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताया कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन के नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। यह कॉरिडोर दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा। इसके बाद वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी होते हुए गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

अभी वाराणसी का सफर 10 घंटे का वाराणसी से दिल्ली की दूरी करीब 807 किलोमीटर है। तेजस

और राजधानी जैसी ट्रेनों को यह दूरी तय करने में 10 घंटे से

पहुंचने वाली बुलेट ट्रेन और वाराणसी से चलकर दिल्ली जाने



अधिक लगते हैं। बुलेट ट्रेन से यह सफर सिर्फ 3:30 घंटे में हो सकेगा। रेलवे सूत्रों के अनुसार, सिलीगुड़ी से चलकर वाराणसी

वाली ट्रेन की टाइमिंग ऐसी रखी जाएगी कि यात्री एक ट्रेन से उतरकर दूसरे में सवार हो सकें।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन से वाहनों पर प्रतिबंध मामले में हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट प्रशासन से आग्रह किया कि वह दिल्ली में 1 नवंबर से बीएस-6 उत्सर्जन मानकों को पूरा न करने वाले वाहनों पर लगाई गई पाबंदियों के मामले में हस्तक्षेप करे। बार एसोसिएशन ने बताया कि इन प्रस्तावित पाबंदियों के कारण वकीलों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले कई वकील नोएडा और गाजियाबाद, तथा गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे पड़ोसी इलाकों से रोजाना सफर करके आते हैं। सुप्रीम कोर्ट के महासचिव को भेजे गए एक पत्र में, एससीबीए ने कहा कि इन पाबंदियों से वकीलों को भारी परेशानी होगी, जिससे न्याय प्रक्रिया के सुचारु संचालन में बाधा आ सकती है। पत्र में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस मामले में हस्तक्षेप करें। बार एसोसिएशन ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले आदेशों में, कुछ शर्तों के साथ, पुराने उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी।

84 साल बाद दिल्ली फायर सर्विस का विस्तार, 2345 नए पदों को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आग और आपातकालीन घटनाओं से निपटने वाली अग्निशमन सेवा की ताकत अब करीब 76 प्रतिशत बढ़ने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभाग में अलग-अलग श्रेणियों के 2345 नए पद बढ़ाने को मंजूरी दी है। इसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा में स्वीकृत पदों की संख्या 3096 से बढ़कर 5441 हो जाएगी। साल 1942 में स्थापना के बाद 84 साल के इतिहास में पहली बार विभाग के केंडर का इतने बड़े स्तर पर पुनर्गठन हो रहा है। इस फैसले से राजधानी की अग्निशमन और आपातकालीन बचाव व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है। केंडर पुनर्गठन में केवल अग्निशामकों की संख्या ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि विभाग के वरिष्ठ और मध्य स्तर के अधिकारियों के पदों का भी विस्तार होगा। इसके तहत उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी, मंडल अधिकारी, सहायक मंडल अधिकारी, स्टेशन अधिकारी, उप अधिकारी, अग्रणी अग्निशामक और अग्नि ऑपरेंटर के पद बढ़ाए जाएंगे। इसके अलावा चपरसी और माली के पद भी सृजित होंगे। इससे विभाग में नेतृत्व, निगरानी और मौके पर बचाव अभियान चलाने वाले कर्मचारियों की उपलब्धता बढ़ेगी।
बढ़ती आबादी और बहुमंजिला इमारतों ने बढ़ाई चुनौती - दिल्ली का तेजी से फैलता शहरी क्षेत्र, घनी आबादी वाली बस्तियां, बहुमंजिला इमारतें और औद्योगिक प्रतिष्ठान अग्निशमन सेवा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। आग की घटनाओं के अलावा सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में भी अग्निशमन सेवा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि ऐसी घटनाओं में हर मिन्ट कीमती होता है। पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारी और मजबूत कमान व्यवस्था से राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाई जा सकेगी। चार केंद्रों से 71 केंद्रों तक पहुंचा विभाग - दिल्ली अग्निशमन सेवा की शुरुआत 1942 में चार अग्निशमन केंद्रों, 14 वाहनों और उपकरणों तथा 186 कर्मचारियों के साथ हुई थी। वर्ष 1970 तक केंद्रों की संख्या 14 हो गई। आज मुख्यालय और प्रशिक्षण केंद्रों सहित विभाग के नेटवर्क में 71 अग्निशमन केंद्र हैं। इसका कार्यक्षेत्र करीब 1484 वर्ग किलोमीटर में फैला है। ऐसे में बढ़ती जिम्मेदारियों के अनुरूप मानव संसाधन और संगठनात्मक ढांचे का विस्तार जरूरी हो गया था। जनसुरक्षा के लिए निदेश है ये केन्द्रला : सुदूर -वृह मंजी आशीी सुद ने कहा कि लंबे समय से अपेक्षित केंडर पुनर्गठन से विभाग को मजबूत संस्थागत आधार मिलेगा। सरकार का लक्ष्य अग्निशमन सेवा को बदलती जरूरतों और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है।

सरदार पटेल जयंती और इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित



नई दिल्ली (एजेंसी)। श्री गोवर्धन विद्या निकेतन में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 42वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक विष्णु दत्त शर्मा, प्रधानाचार्य संगीता रानी एवं कक्षा अध्यापिकाओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्तोओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 562 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव मजबूत की। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस और राष्ट्रप्रेमिा सदैव देशवासियों को एकता का संदेश देती रहेगी। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राष्ट्र के प्रति योगदान और उनके नेतृत्व को भी स्मरण किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय बैठक में 25 राज्यों और 7 देशों के प्रतिनिधि शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक एवं सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। इसमें देश के 25 राज्यों और 7 देशों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने की। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू, श्री नगर विधान सभ के तिलक चम गुप्ता सहित दिल्ली के वैश्य समाज से जुड़े विधायक और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज ने व्यापार, उद्योग, रोजगार सृजन और सामाजिक सेवा के माध्यम से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. अशोक अग्रवाल ने संगठन के विस्तार और सदस्यता अभियान को गति देने पर जोर दिया। वहीं, कोषाध्यक्ष दिनेश सी. गुप्ता ने संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय सदस्यता, पारदर्शिता और सामूहिक सहयोग को आवश्यक बताया। इस अवसर पर समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिल्ली के डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल, तेलंगाना के डॉ. प.न. बालाचन्द्रम और राजस्थान की निर्मला रावत को ‘रामदास अग्रवाल जन सेवा सम्मान’ से सम्मानित किया गया। इसके अलावा ‘वैश्य मित्र’ सदस्यता अभियान में विशेष योगदान देने वाले सदस्यों को ‘वैश्य मित्र रत्न’ सम्मान प्रदान किया गया।

गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी पर स्त्री सत्संग सभाओं का समागम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी की संपूर्णता के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब परिसर स्थित भाई लखवी शाह वणजारा हॉल में विशाल गुरमत समागम आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली की विभिन्न सिख सभाओं की स्त्री सत्संग जत्थों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह कालाहौ विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने धार्मिक स्वतंत्रता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत पूरी मानवता को अपनी आस्था और विश्वास के अनुसार जीवन जीने का अधिकार देती है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की 350वीं शहीदी शताब्दी का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षाओं, जीवन आदर्शों और महान बलिदान के इतिहास को घर-घर तक पहुंचाना है। नई पीढ़ी को सिख इतिहास, गुरबाणी और गुरसिखी जीवन शैली से जोड़ना कमेटी की प्रमुख प्राथमिकता है। समागम में स्त्री सत्संग सभाओं की महिलाओं ने गुरबाणी कौर्तन के माध्यम से गुरु साहिब की महान शहादत को श्रद्धापूर्वक याद किया। इस अवसर पर भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी की महान कुर्बानियों को भी नमन किया गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सशक्त बनाने पर विजेंद्र गुप्ता ने दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आंगनवाड़ी को सशक्त बनाने की शुरुआत जमीनी स्तर पर कार्यरत महिलाओं को सशक्त करने से होती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उन परिवारों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके लिए ये योजनाएं बनाई गई हैं। उनके योगदान को केवल शब्दों में स्वीकार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा सार्थक सहयोग प्रदान करना आवश्यक है, जिससे उनकी दैनिक जिम्मेदारियां आसान हो सकें। यह बातें विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी के सेक्टर-8 स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। यह कार्यक्रम 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उनके क्षेत्रीय कार्यों एवं दैनिक जिम्मेदारियों को सुगम बनाने के लिए बैग और

आवश्यक किट वितरित की गई। ‘हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी’ थीम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, प्रारंभिक बाल विकास और परिवार कल्याण के सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक आवश्यक पोषण एवं कल्याणकारी सेवाएं पहुंचाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता वाले परिवारों के लिए संपर्क का पहला माध्यम होती हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड किट वितरण का उद्देश्य विशेष रूप से घर-घर जाकर किए जाने वाले संपर्क, सामुदायिक पहुंच और जागरूकता अभियानों सहित उनके दैनिक कार्यों को सुगम बनाना तथा

सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करना है। विजेंद्र गुप्ता ने आंगनवाड़ी केंद्रों को सामुदायिक सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी के संस्थानों के रूप में सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में पोषण और विकास एक स्वस्थ एवं अधिक

उत्पादक समाज की नींव रखते हैं। पोषण संबंधी लक्ष्यों को बेहतर ढंग से प्राप्त करने के लिए अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, परिवारों और स्थानीय समुदायों के बीच घनिष्ठ समन्वय आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पर्याप्त संसाधन और संस्थागत सहयोग प्रदान करना

कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच एवं प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पोषण अभियान के उद्देश्यों को पुनः रेखांकित किया गया, विशेष रूप से पोषण संबंधी जागरूकता को



बढ़ावा देने, प्रारंभिक बाल देखभाल को सुदृढ़ करने और आंगनवाड़ी केंद्रों के प्रति सामुदायिक स्वामित्व एवं सहभागिता को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। विजेंद्र गुप्ता ने दोहराया कि अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मान देना

मुख्यमंत्री ने नेहरू कैंप में दो शिशु वाटिकाओं का किया उद्घाटन



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर स्थित नेहरू कैंप में दो शिशु वाटिकाओं का उद्घाटन किया। यहां बच्चों के लिए झूले, टहलने के लिए फुटपाथ और बेटने के लिए बेंच जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। उन्होंने सौशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित रही बस्तियां तक विकास और जनसुविधाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। हर मोहल्ले में सकारात्मक बदलाव आए और हर परिवार को बेहतर जीवन का अवसर मिले, यही सरकार का प्रयास है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आज पीतमपुरा स्थित जीपी सेवा बस्ती में जन सुविधा परिसर का उद्घाटन किया। इस परिसर में स्वच्छ शौचालय एवं स्नानगृह की सुविधा से स्थानीय निवासियों को सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर निगम पार्षद अनिल नागपाल उपस्थित रहे।

18 नवंबर को तालकटोरा स्टेडियम में मनाया जाएगा रेजांग ला शौर्य दिवस



नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीकृष्णा यादव महासभा (रंजी.) की ओर से 18 नवंबर को तालकटोरा स्टेडियम में रेजांग ला शौर्य दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर नांगलोई स्थित श्रीकृष्ण मंदिर में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव की अध्यक्षता में पंचायत आयोजित की गई, जिसमें रेजांग ला के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी वीरगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर श्री कृष्णा यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव, राष्ट्रीय संगठन महासचिव अधिवक्ता हेमंत यादव, राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर थान सिंह यादव, कमलेश यादव, प्रधान राजकुमार यादव व मास्टर रमेश यादव। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा कि रेजांग ला का युद्ध भारतीय सेन्य इतिहास में अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का स्वर्णमि अह्वाय है। वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊँ रेजिमेंट की चाली कंपनी के जवानों ने विषम परिस्थितियों में चीनी सेना का बहादुरी से मुकाबला किया। इस युद्ध में 114 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव ने भारत सरकार से मांग की कि रेजांगला शहीदों के लिए रेजांगला शहीद (अहीरधाम) पवित्र टूरिस्ट स्थल बनाए। इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर ने कहा कि रेजांग ला के वीर सैनिकों का बलिदान पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। उनके योगदान को उचित सम्मान देना और उनकी वीरता की गाथा को युवाओं तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। राष्ट्रीय संगठन महासचिव अधिवक्ता हेमंत यादव ने कहा कि रेजांग ला के वीर शहीदों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस, स्वाभिमान और देशप्रेम की प्रेरणा है। उन्होंने समाज की महिलाओं, युवाओं और परिवारों से 18 नवंबर को तालकटोरा स्टेडियम पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। महासभा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव ने गांव नांगलोई व आसपास के सभी यादव समाज, सामाजिक संगठनों और युवाओं से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया।

एकता दिवस पर ‘रन फॉर यूनिटी’ का आयोजन, युवाओं ने दिया एकता और नशामुक्ति का संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल वसंत कुंज नई दिल्ली में ‘रन फॉर यूनिटी’ का आयोजन किया गया। ‘नशामुक्त युवा, विकसित भारत’ अभियान के अंतर्गत आयोजित इस एकता दौड़ में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भाव, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त समाज का संदेश दिया गया। इस अवसर पर दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी विनय सहस्रबुद्धे मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि यह दौड़ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की एकता, अखंडता और



राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित किया। यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि युवाओं के लिए एक संदेश और प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल एक ऐसे आदर्श व्यक्तित्व हैं, जो हमें देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। यही कारण है कि इस दौड़ का विशेष महत्व है।

मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का अखंड

के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक कल्याण के महत्व को भी रेखांकित किया गया। नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाना न केवल युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है, बल्कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ‘नशामुक्त युवा, विकसित भारत’ का संदेश इसी दिशा में युवाओं को जागरूक और प्रेरित करने का प्रयास है।

मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को आत्मसात करने और राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर समाज कल्याण के व्यापक उद्देश्यों के संदर्भ में युवाओं

सामाजिक बदलाव में गायत्री परिवार की अहम भूमिका : ओम बिरला

–लोकसभा अध्यक्ष ने गायत्री परिवार के शताब्दी समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में गायत्री परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संगठन ने आध्यात्मिक जागरूकता के साथ लोगों को अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को नई दिल्ली में गायत्री परिवार के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह बात

रचनात्मकता और मासूमियत का संगम- द क्रिएटिव बीज ने किडप्रेन्योर कार्यक्रम में नवीन उत्पादों से सबका दिल जीता

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में उद्यमी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना

चंडीगढ़, 31 अक्टूबर। छोटी उम्र से ही बच्चों में उद्यमी भावना पैदा करने के उद्देश्य से, प्रेप राइट इंस्टीट्यूट, पंचकुला द्वारा आज स्टूडेंट्स फील्डवर्क हाई स्कूल, सेक्टर 26, चंडीगढ़ में एक विशेष उद्यमिता कार्यक्रम किडप्रेन्योर का आयोजन किया गया। इस अनोखी पहल में 6 से 15 वर्ष की आयु के उभरते बाल उद्यमियों ने भाग लिया। यहाँ लगातार गए 104 स्टॉलों ने बच्चों को अपनी रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ प्रदर्शित करने के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान किया। इनमें से सबसे अधिक ध्यान खींचने वाला स्टॉल द क्रिएटिव बीज चार छोटी आयु के उद्यमियों अबीर गोयल, रियाना गोयल, सुहानी सिंगला और सिया गोयल द्वारा लगाया गया था। इन छोटे बच्चों ने अनोखी स्टेशनरी,

मोतियों वाले दिल के आकार के दर्पण, ट्रेंडी पैराकाईड बैग चार्मस, हाथ से पेंट किए गए पाउच, टोट बैग और डी.आई.वाई. किट जैसे अपने रचनात्मक



और सुंदर उत्पादों से सबका दिल जी लिया। इस कार्यक्रम ने न केवल नवाचार का जश्न मनाया, बल्कि बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, मिलकर काम करने और अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा समुह स्त्री सतसंत सभाओं का विशेष समागम

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम की संपूर्णता को मुख्य रखते हुए किया गया समागम

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी की संपूर्णता को मुख्य रखते हुए दिल्ली की समूह सिंह सभाओं के स्त्री सतसंग जत्थों के सहयोग से एक विशाल गुप्तत समागम का आयोजन गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब परिसर स्थित भाई लक्खी शाह वणजाग हॉल में किया गया। जिसमें दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी की सदस्य हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने विशेष तौर पर पहुंचकर संगत को सम्बोधन करते हुए गुरु तेग बहादुर जी के शहादत के इतिहास को घर घर तक पहुंचाने की बात कही। इस धार्मिक समागम में दिल्ली की विभिन्न स्त्री सतसंग सभाओं की महिलाओं ने ब 71 संख्या में एक ही रंग के सूट पहनकर भाग लिया। समागम के दौरान संगत को संबोधित करते हुए कमेटी अध्यक्ष सरदार

हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने कहा कि दिल्ली धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर उनकी अद्वितीय कुर्बानी को याद



साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी मनाने का अवसर प्राप्त हुआ और उम्मीद की जाती है कि अब शहीदी शताब्दी को संगत उसी श्रद्धा भावना के साथ मनाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे

वर्ष दिल्ली की संगतों ने गुरु साहिब की महान शहादत को समर्पित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर उनकी अद्वितीय कुर्बानी को याद किया। सरदार कालका और सरदार काहलो ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने केवल एक धर्म की रक्षा के लिए अपना शीश नहीं दिया, बल्कि देश की धार्मिक स्वतंत्रता, संस्कृति,

विरासत और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शहादत ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आस्था और विश्वास के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में गुरु साहिब की शहादत का ऐतिहासिक योगदान है। गुरु साहिब ने अन्याय और अत्याचार के सामने झुकने के बजाय अपना बलिदान देकर मानवता के इतिहास में एक ऐसी मिसाल कायम की, जिसे आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि गुरु साहिब के जीवन, उनकी शिक्षाओं और महान शहादत के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना भी आवश्यक है। उन्होंने

कि दिल्ली की समूह स्त्री सतसंग सभाएं गुरबाणी के प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी को सिख इतिहास तथा गुरसिखी जीवन पद्धति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने इस धार्मिक समागम के आयोजन में योगदान देने वाली सभी स्त्री सतसंग सभाओं और सेवादारों की सराहना की। समागम के दौरान स्त्री सतसंग सभाओं की ओर से गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से गुरु साहिब की महान शहादत को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। संगतों ने गुरु साहिब के ब्याप मार्ग पर चलने, गुरबाणी से जुड़े रहने और गुरसिखी जीवन पद्धति को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के साथ शहादत देने वाले भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी की महान कुर्बानियों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता के शिल्पी, उन्होंने 563 से अधिक रियासतों को एकजुट करके अखण्ड भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया: मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष
सामान्य रूप से एक लीटर दूध का मूल्य लगभग 50 रुपये होता है, लेकिन उसी दूध से छाछ, घी, मक्खन और पनीर जैसे उत्पाद तैयार करने पर उसका मूल्य कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए, युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देकर मूल्य संवर्धन से जोड़ना आवश्यक है। योजना के प्रथम चरण में गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी और गौतमबुद्धनगर में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। 18 माण्डल मुख्यालयों में केन्द्र स्थापित करने के लिए भूराशि की व्यवस्था पहले से की जा चुकी है। इसके लिए सम्बन्धित स्थानों पर भूमि उपलब्ध कराई गई है। गौतमबुद्धनगर में यमुना अंतर्राष्टी स्वयं केन्द्र का निर्माण कर रही है और टाटा भी उसके साथ जुड़ चुका है। गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण इस पहल से जुड़ा है। आगे इन केन्द्रों का विस्तार सभी

75 जनपदों में किया जाएगा। इन केन्द्रों के माध्यम से कोई भी व्यक्ति, चाहे वह युवा हो अथवा प्रौढ़, रोजगार प्राप्त करने के लिए अपनी आवश्यकता के अनुसार पंजीकरण कर सकेगा। एम्प्लॉयमेंट जॉन उसके लिए रोजगार की व्यवस्था से जोड़ने का कार्य करेगा। इस योजना में युवाओं की रुचि और योग्यता के अनुरूप प्रशिक्षण तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध करने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजना के अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़े विभिन्न विभागों को एक मंच पर लाया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ग्रामीण विकास के साथ फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में, उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाटक चिकित्सा एवं नर्सिंग के क्षेत्र में, मंत्री श्री नरेंद्र गोपाल गुप्ता नदी उद्योगों की आवश्यकताओं के सम्बन्ध में और श्री अनिल राजभर श्रम एवं सेवायोजन के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। एम0एसएम0ई0 मंत्री श्री भूपेन्द्र चौधरी ने इन सभी को एक मंच पर

अपनी पसंद और रुचि के अनुरूप कोई न कोई कार्य अवश्य चुनने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विद्यार्थियों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। युवा कालेज में पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास का पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। सामान्य रूप से छह से आठ घण्टे पढ़ाई करने के बाद तीन-चार घंटे कौशल प्रशिक्षण के लिए निकाले जा सकते हैं। इस प्रकार विद्यार्थी अपनी नियमित शिक्षा के साथ कौशल प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं। युवा इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर अपने कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण में योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया में फ्रेजाइल फाइव के रूप में देखा जाता था। आज देश प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और सबसे तेज गति से बढ़ते वाली अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री जी द्वारा जनरल खातों की व्यवस्था प्रारम्भ किए जाने पर कुछ लोगों ने सवाल उठाए थे, लेकिन कुछ व्यवस्था ने सुनिश्चित किया कि सरकार द्वारा गरीबों और लाभार्थियों के लिए भेजी गई भूराशि सीधे उनके खातों में पहुंचे। पहले एक प्रधानमंत्री अपनी लाचरी व्यक्त करते थे कि उनके द्वारा भेजे गए 100 रुपये में से नौचे पहुंचते-पहुंचते केवल 15 रुपये ही बचते हैं। जनधन खातों और सीधे भुगतान की व्यवस्था ने इस स्थिति को बदला। अब यदि किसी युवा के लिए

सरकार 100 रुपये भेजती है तो उसके खाते में पूरे 100 रुपये पहुंचते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने डिजिटल इण्डिया की परिकल्पना प्रस्तुत की तो उस समय अनेक लोग इसकी सम्प्रत्यता को लेकर सवाल उठाते थे। आज भारत डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। भारत व उत्तर प्रदेश में देश की सबसे युवा आबादी है। यहां का युवा कार्यबल हमारी सबसे बड़ी ताकत है। पहले युवा आबादी को बौझ माना जाता था, लेकिन हमारी सरकार ने इसे सबसे बड़ी उपलब्धि और ताकत के रूप में स्वीकार किया है। हमने युवाओं की इस शक्ति को प्रधानमंत्री जी के स्किल डेवलपमेंट अभियान के साथ जोड़ने का कार्य किया है। स्कैल हो और स्किल न हो तो गति दुर्गति में बदल जाती है, लेकिन स्कैल और स्किल दोनों हों तो वह गति प्रगति में बदल जाती है। आज का कार्यक्रम इसी प्रगति को राई गति देने के लिए आयोजित किया गया है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था। प्रत्येक जनपद में माफिया सक्रिय थे और युवाओं की नौकरी तथा रोजगार के अवसरों पर माफिया कब्जा कर लेते थे। युवा लाचार और हताश होकर पलायन करने को मजबूर था तथा अपनी पहचान खिंटाता था। प्रदेश

सरकार ने विगत साढ़े नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था का बेहतर वातावरण तैयार हुआ है, जिससे औद्योगिक विकास के माध्यम से भी लाखों युवाओं को नौकरी एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। पहले की सरकारों में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया की स्थिति थी। हमारी सरकार ने माफिया को मिट्टी में मिलाने के साथ उत्तर प्रदेश के उत्पादों को 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के माध्यम से राई पहचान और बाजार उपलब्ध कराया। ओडीओओपीओ के माध्यम से प्रदेश में 03 करोड़ 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को पहले बीमार राज्य के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज प्रदेश विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है। प्रदेश में रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है। कृषि विकास दर 08 प्रतिशत से ब 7कर 18 प्रतिशत तक पहुंची है। प्रदेश की जीओडीपी, बजट तथा प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हो गई है। उत्तर प्रदेश देश का शोध इंजन बनकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। उत्तर प्रदेश

NAMKE CHANGE
I, SOMLA BHAVRIYA wife of No.-15230310W, Rank-LINK, NAME-HARCHAND MUNIYA residing at VILL-JAMDA, PO-PANCHPIPLIA, TEHSIL-MEGHNAGAR, DIST-JHABUA, MADHYA PRADESH-457770, have changed my name from SOMLA BHAVRIA to SOMLA MUNIYA for all future purposes vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAMKE CHANGE
I, hitherto known as ASHA RANI W/O LATHE MOHAN LAL TANDON R/O 289N NAGIA PARK SHAKTI NAGAR DELHI-110007 have changed my name and shall hereafter be known as ASHA RANI TANDON

NAMKE CHANGE
I, Dhruv S/o Har Bhagyan Mehndiratta R/O Plot no-36 2nd floor Amolik residency Sec-86 Near Khari Kalan Faridabad-121002 have changed my name to Dhruv Mehndiratta

NAMKE CHANGE
I, Harbhagwan S/o Chela Ram Mehndiratta R/O Plot no-36 2nd floor Amolik residency Sec-86 Near Khari Kalan Faridabad-121002 have changed my name to Har Bhagwan Mehndiratta

NAMKE CHANGE
I, Rajender Babu, S/O Moli Lal R/O B-8/20- 21, 3rd Floor, Sector-3, Rohini, North West Delhi, Delhi- 110085 have changed my name to Rajendra Baboo for all future purposes

PUBLIC NOTICE

Public notice is hereby given that my client Mr. Pawan S/o Mr. Anant Ram, R/O House No. 1321, Nangla Encave, Near Sagar Public School, Part-2, Faridabad Sector-22, Faridabad, Haryana-121005, is owner of Freehold Residential Flat No. SF-107, Second Floor, without roof rights, area measuring 97 Square Yards, built-up on Plot No. 25-A, out of Khatsra No. 1370, situated at Balaji Enclave, in the Village Raispur, Pargana Dasna, Tehsil and District Ghaziabad, Uttar Pradesh, vide Notarized General Power of Attorney Dated 04.05.2000, executed by Mrs. Usha Rani Sharma W/o Mr. Shivanand Sharma. It is Pertinent to mention here that initially property was owned by Bhumidhar Mrs. Satbiri W/o Mr. Mahendra Singh, Mrs. Sheela Shau W/o Mr. Surendra Singh, Mr. Anuj Kumar & Mr. Vishwanath Bandhu Both S/o Mr. Satendra Singh, and Others. Further Mrs. Satbiri appointed attorney to Mr. Rajendra Singh S/o Mr. Narayan Singh, for area measuring 138 Square yards, from her share of land comprising Khatsra No. 1370, and also Mr. Anuj and Mr. Vishwanath appointed attorney Mr. Rajendra Singh for area measuring 30 Square Meters, comprising Khatsra No. 1370 from their share. Further Mr. Rajendra Singh appointed attorney Mrs. Usha Rani Sharma W/o Mr. Shivanand Sharma for land area measuring 210 Square Yards, bearing plot No. J-25-A. Being the owner of land area measuring 210 Square Yards, bearing plot No. J-25-A, constructed flats over the said plot. Further, Mrs. Usha Rani Sharma appointed attorney Mr. Pawan S/o Mr. Anant Ram, for the said Flat No. SF-107, Second Floor, My client is absolute owner of the said Property which is free from encumbrance. The said property neither falls under acquisition nor falls under any litigation in any court of law. On date, being the absolute owner of the said property, my client Mr. Pawan S/o Mr. Anant Ram, is going to Sale the said Flat to Mr. Rakesh Kumar S/o Mr. Rajendra Singh. The same is going to be financed by PNB Housing Finance Ltd., branch Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) has/have any objection regarding the above said property, then kindly may submit his/her objection within 7 days from the date of the Notice in writing to undersigned or the said Bank/FY. The said objection may be kindly sent to the undersigned/bank by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail. Failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.

Rupesh Kumar Roushan
Advocate
D-803, Nandgram,
Ghaziabad, Uttar Pradesh 201003

साइबर सिटी में फायरिंग, कई राउंड हुई गोलीबारी... जांच में जुटे पुलिस अधिकारी

गुरुग्राम, सेक्टर-45 में बृहस्पतिवार रात को मोटरसाइकिल पर आए नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमलावरों ने 20 से 25 गोलियां चलाई। कार्यालय में खड़ी लंगरी गाड़ियों तक को निशाना बनाते हुए उन पर गोलियां बरसाई गईं। इससे कार्यालय में मौजूद लोगों में हड़कंप मंच गया। वह इधर-उधर छिपने की कोशिश करते रहे। गनीमत यह रही कि इस दौरान गोली किसी भी व्यक्ति को गोली नहीं लगी। पुलिस की विभिन्न टीमें आरोपियों को गिरफ्तार करने में जुट गई हैं। आसपास के क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। बारदात के कुछ देर बाद सिंगर राहुल फाजिलमुरीया पर फायरिंग करवाने वाले गैंगस्टर दीपक नांदल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए हमले की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में दीपक नांदल ने दावा किया है कि एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर गोलियां उसने चलवाई हैं। कहा कि रोहित रहेजा के रिश्तेदार नितिन तलवार पर 2019 से रुपये बकाया हैं। नांदल ने पोस्ट में कहा कि रकम न चुकाने के लिए नितिन तलवार अपना परिवार लेकर न्यूजिलैंड भाग गया। उसने सभी को चेतावनी देते हुए कहा कि जिसने ऐसे देन हैं वह मत उलझे, जितनी जेदती हो सके हिसाब कर दो वरना जो फंसेगा उसी को मारूंगा। बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया।

कंपनी परिसर में युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, पेड़ से लटका मिला शव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र स्थित एक कंपनी में शनिवार सुबह को एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दीपक सदा निवासी थाना भरवरिया समस्तीपुर बिहार के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि सुबह करीब छह बजे सूचना मिली थी कि हवीगपुर में स्थित एक निजी कंपनी के परिसर में पेड़ से फंदा लगाकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का मुआयना कराया। मृतक के शव को देखकर प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने आत्महत्या की है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई और उनके सहयोग से शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम में स्थित भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता चलेगा। मामले की जांच जारी है। जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आत्महत्या का कारण क्या था।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांडिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव गंगला गाूल निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ निवासी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम काईस बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज कर दिए और पीडीटि के 78,920 रुपये भी होल्ड कर दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेन्द्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगपुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेन्द्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क ऑफर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीडीटि से वियतनाम के बीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीडीटि बीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई बीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाते का बहाना बनाकर पीडीटि से 3 हजार डालर यॉनि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेन्द्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

NAMKE CHANGE
I, MOHD GHUFRAN S/O MOHD USMAN R/O 6715, GALI NO 05, Kothi Mem, Sadat Bazar, Delhi-110006, Difference in my name to GHUFRAN ANSARI, This may also be amended in my Daughter's School Records

NAMKE CHANGE
I, J-733278N Rank-SUB Name-RAJESH KUMAR S/O LALLU RAM is legal father of DHIRAJ KUMAR R/O KASIM, DIST-TEHSIL-KOTKASIM, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301702, have changed my son's name from DHIRAJ KUMAR to DHEERAJ KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAMKE CHANGE
I, J-733278N Rank-SUB Name-RAJESH KUMAR S/O LALLU RAM is legal father of RICHA YADAV R/O VPO-JORIYA, TEHSIL-KOTKASIM, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301702, have changed my daughter's name from RICHA YADAV to RICHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 31/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAMKE AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, J-353000A Rank-SUB/MAJ Name-MANOJ KUMAR R/O VPO-USHRANI, TEH-KUMHER, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321201, have changed my mother's name from SATYA BATI DEVI to SATYAVATI DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 20/05/1952 instead of her correct date of birth as 01/01/1945 vide Affidavit dated 31/10/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAMKE AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, J-353000A Rank-SUB/MAJ Name-MANOJ KUMAR R/O VPO-USHRANI, TEH-KUMHER, DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321201, have changed my father's name from RAMBIR SINGH to RAMVEER SINGH for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 05/10/1950 instead of his correct date of birth as 01/01/1947 vide Affidavit dated 31/10/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAMKE CHANGE
It is for general information that I, KANISHK SHARMA S/O NARESH SHARMA R/O B-40A, DEVI/ROAD, JAWAHAR PARK, KHANPUR, DEOLI, SOUTH DELHI, DELHI-110062 declare that my education documents in mentioned the name as KANISHK and my Aadhar No. UID NO.7193 7275 4872 in mentioned the name KANISHK SHARMA and I shall hereinafter known as KANISHK SHARMA and I also declare that the Kanishk Sharma and Kanishk both are the one and same person.

NAMKE CHANGE
It is for general information that I, Jalam Singh S/O Budhram R/O House No-96, Girdharpur Sunarsi, Chhappraula, Chhapprola, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201009 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Jalam Singh Chndila and Budh Ram Singh Chndila in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Jalam Singh and Budhram.

NAMKE CHANGE
I, NEHA D/O PURNA NAND R/O A-30 UGF FLAT NO-12 RAJPUR KHURD CHATTARPUR DELHI-110068 HAVE CHANGED MY NAME TO NEHA BARTHWAL.

NAMKE CHANGE
I, hitherto known as Kusumlati W/O: Surendar Kumar, R/O house no -445, chhapar, Chhapar, Chhapar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 251307, have changed my name and shall hereafter be known as KUSUM.

NAMKE CHANGE
I, ABDUL HAMID S/O MD JUNAID R/O H NO-786, STREET NO-6, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to ABDUL HAMEED for all purposes.

NAMKE CHANGE
I, MEHASHAR W/O MOHAMMAD IMRAN R/O R-233, GALI NO-2, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to MEHASHAR IMRAN for all purposes.

NAMKE CHANGE
I, MOHAMMAD IMRAN S/O ABDUL HAMEED R/O R-233, GALI NO-2, JOGA BAI EXTN, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025, Declare that my given name is IMRAN and my surname is MOHAMMAD

PUBLIC NOTICE
This is to inform known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. 1.WILL Dated 20.07.2022 Which executed by Sh. Moshim Saffi in favour of Sh. Pawan Chauhan and 2.WILL Dated 20.07.2022 Which executed by Sh. Kasim Alami in favour of Sh. Pawan Chauhan pertaining to 'Property Land Area Measuring 40 Sq. Yds., Out of Khatsra No. 4182, Situated in the area of Village Burari, Abadi Known as Gali No. 4, C-Block, Tomar Colony, Burari, Delhi', (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller namely Sh. Joginder Singh and his Agreed to sell the same to Our Borrower i.e. Smt. Deva Shri Santar and same shall be funded/Mortgaged by My Client. 'ADHAR HOUSING FINANCE' Ltd. (LAXMI NAGAR BRANCH' has been lost/Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, if any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.
Dated: 01-11-2026 Advocate Ghanshyam Singh, Place : Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8812012073

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे क्लाइंट श्री श्रीमती मयावा शर्मा (पत्नी श्री प्रदीप शर्मा) फोर्लेइड रेजिडेंशियल प्लॉट नंबर 2 की मालिक हैं। इसका क्षेत्रफल 64 वर्ग गज (वर्ग 53.51 वर्ग मीटर) है और यह खसरा नंबर 67 का हिस्सा है। यह संपत्ति गांव महोद्वीगपुर, जिल्ला परगना जलवाड, हवेली मोदीनगर, जिल्ला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में स्थित है। 15.03.2021 को हुए सेल डीड (बिक्री विलेख) के आधार पर वह इसकी पूर्ण मालिक बनीं। यह सेल डीड एच.एस.आर. (स्क) कार्यालय, मोदीनगर, गाजियाबाद में दस्तावेज संख्या 4193, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 13008, पृष्ठ संख्या 229-256 पर 15.03.2021 को विधिवत पंजीकृत (रजिस्टर्ड) है। दस्तावेजों की श्रृंखला में कुछ कानूनाित उपस्थित नहीं हैं, जो इस प्रकार हैं: (1) स्वामी श्री सुधाप चंद का मृत्यु प्रमाण पत्र और एस.एम.सी. (SMC), तथा (2) श्रीमती राजकुमारी द्वारा श्री प्रदीप शर्मा के पक्ष में जारी की गई एच.ओ.सी. (NOC) या बंटवारा विलेख (पार्टीशन डीड)। अब हमारी क्लाइंट यह घोषित करती हैं कि इस संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है। यह संपत्ति श्रीमती पूजा सिंह (पत्नी श्री रोशन सिंह) को बेची गई है, और इसके लिए उज्ज्वलन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (नोएडा, उत्तर प्रदेश शाखा) से फाइनेंस (ऋण) लिया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारहत्यामिव या हित के संबंध में कोई ग्रांति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अशोहलताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा [NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate 1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010. Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the public at large that my client THE STATE BANK OF INDIA, SBI RACPC SEC-55, NOIDA, U.P. had granted a loan to Mr. Puneet Kumar Jindal and Mrs. Pooja Gupta for purchase of a House no 294, Block-D (Lager Stromia Estate) Sector - Eta-01, Greater Noida U.P. That from the custody of my client THE STATE BANK OF INDIA, SBI RACPC SEC-55, NOIDA, U.P. Original Allotment cum Allocation letter dated 27.05.2002 vide no ETA0164666 executed by GNIDA in favour of Mr. Jai Kumar Tyagi and Possession certificate dated 22.08.2007 executed by GNIDA in favour of Mr. Jai Kumar Tyagi and lease deed executed by GNIDA in favour of Mr. Jai Kumar Tyagi duly regd. vide doc no 9994, vol no 2385, vide no 125-174 dated 22.08.2007 and transfer memorandum dated 19.04.2024 vide no transfer letter /2024/1515 issued by GNIDA in favour Mr. Puneet Kumar Jindal and Mrs. Pooja Gupta and Transfer deed executed by Mr. Jai Kumar Tyagi in favour of Mr. Puneet Kumar Jindal and Mrs. Pooja Gupta duly regd. vide doc no 13485 , vol no 44717 , page no 287-302 dated 08.05.2024 of for the above said property is misplaced/lost/untraceable. If any body/person/entity misuses the aforesaid property documents, my client will hold the first exclusive right. The said property will not be accepted against the mortgage (except my client's claim) in any such cases. And no claim shall be accepted on the basis of the aforesaid documents

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

कौमी पत्रिका

संवादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया टोपिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail:
qpatrika@gmail.com
Website: www.guampatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

करवा चौथ पर नवविवाहिता की मौत, पोस्टमार्टम के बाद शव लेने को लेकर अड़े मायके वाले, तीन घंटे चला हंगामा एजेंसी

कानपुर करवा चौथ पर शगुन न मिलने से नाराजगी के बाद नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। दहेज में बुलेट और चेन मांगने का आरोप है। मायके वालों की पुलिस से कई बार झड़प हुई। अंतिम संस्कार नहीं करने की चेतावनी दी। सेन पश्चिमपारा में करवा चौथ पर मायके से शगुन नहीं आने को लेकर हुए विवाद के बाद नवविवाहिता मुस्कान (21) की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस पर जमकर हंगामा हुआ। मायके पक्ष के लोग ससुरालियों और पति के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव लेने तक अंतिम संस्कार नहीं करने की मांग पर अड़ गए। इस दौरान परिजनों की पुलिस से कई बार झड़प हुई। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस की मौजूदगी में कुछ मांगों पर सहमति बनने पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। कन्नौज के ठठिया श्यामनगर निवासी किसान उमेश सैनी की बेटी मुस्कान की शादी 20 फरवरी 2026 को न्यू आजाद नगर निवासी आँटो चालक सागर से हुई थी। शुक्रवार दोपहर ससुराल के कर्मरे में उसका शिव जमीन पर पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो गले पर फंदे के निशान मिले। थाना प्रभारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुस्कान की मां शांति और अन्य परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति सागर, सास-ससुर, जेट और ननद अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान कर रहे थे। उस पर बुलेट और डेड़ तोले की सोने की चेन मायके से लाने का दबाव बनाया जा रहा था। इसको लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। लोकलाज के चलते मुस्कान ने काफी समय तक अपनी परेशानी परिवार से छिपाए रखी। बाद में जानकारी होने पर पिता उमेश ने आर्थिक असमर्थता जताई, लेकिन इसके बावजूद बेटी पर दबाव बनाया जाता रहा।

परिजनों ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को पति और अन्य ससुरालियों ने मुस्कान के साथ मारपीट की और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हालांकि, मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद मायके पक्ष ने शव लेने से इनकार कर दिया। उनकी मांग थी कि पति और ससुरालीजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचें, तभी वे शव लेकर अंतिम संस्कार करेंगे। इस बात को लेकर पुलिस और परिजनों के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई।

प्रणवपत की 30 करोड़ की संपत्ति 6.21 करोड़ में कराई

रजिस्ट्री, नामचीन बिल्डर पिता-पुत्र समेत 10 पर FIR एजेंसी

कानपुर नजीराबाद थाने में एसीजीएम प्रथम के आदेश पर शहर के चर्चित बिल्डर अनूप अस्थाना, उनके बेटे सुयश अस्थाना और पूर्णिमा दीक्षित समेत 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़ित कारोबारी प्रणव पत सिंघानिया का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें चिट्ठा व अन्य नशीले पदार्थ देकर बंधक बनाया और उनकी मासिक स्थिति का फायदा उठाकर 30 करोड़ रुपये कीमत की पैतृक संपत्ति हथक 6.21 करोड़ रुपये में पूर्णिमा दीक्षित के नाम करा ली। कानपुर के नामचीन बिल्डर अनूप अस्थाना और उसके बेटे सुयश अस्थाना समेत 10 लोगों के खिलाफ कारोबारी प्रणव पत सिंघानिया ने नजीराबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि नशीले पदार्थ देकर उसकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित की गई। इसके बाद उसे कोई वास्तविक आर्थिक लाभ नहीं मिला। आरोप है कि 26 मई 2025 को प्रणव के पैतृक आवास का बैनामा पूर्णिमा दीक्षित के नाम कराया गया। आरोप है कि रजिस्ट्री से कुछ घंटे पहले उसे तीन बार नशीला पदार्थ दिया गया था। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। आपराधिक धमकी और किसी व्यक्ति को बंधक बनाकर रखने समेत संबंधित धाराओं में अदालत के आदेश पर 29 अक्तूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई। राधा कुंज, कालपी रोड निवासी प्रणव के मुताबिक, वर्ष 2024 की शुरुआत से अनूप अस्थाना और उसके बेटे सुयश ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति का फायदा उठाना शुरू किया।

महेंद्र अस्पताल में करीब एक महीने भर्ती रहना पड़ा

सुयश उसे चिट्ठा समेत अन्य नशीले पदार्थ उपलब्ध कराता था। इनकी व्यवस्था सोनू पंडित के माध्यम से होती थी। जुलाई 2024 से उसे होटल रीजेंटा में रखा गया, जहां उसके आवागमन और परिवार व परिचितों से मिलने-जुलने पर नियंत्रण रखा जाता था। फरवरी 2026 में हालत बिगड़ने पर उसे महेंद्र अस्पताल में करीब एक महीने भर्ती रहना पड़ा। आरोप है कि इसी दौरान उसके आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज, चेकबुक और मोबाइल फोन समेत निजी अभिलेख अपने कब्जे में ले लिए गए। तीन बार नशीला पदार्थ दिया गया था अरुण कुमार वर्मा ने उससे कोरे चेक, स्टॉप और अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए। पांच जून 2024 को कोपरगंज स्थित उसके गोदामों का विस्फ़य अनुबंध भी कराया गया, लेकिन इसके बदले उसे कोई वास्तविक आर्थिक लाभ नहीं मिला। आरोप है कि 26 मई 2025 को प्रणव के पैतृक आवास का बैनामा पूर्णिमा दीक्षित के नाम कराया गया। आरोप है कि रजिस्ट्री से कुछ घंटे पहले उसे तीन बार नशीला पदार्थ दिया गया था। इस सौदे में कमल प्रकाश दीक्षित की सक्रिय भूमिका और श्रीराम के माध्यम से रकम की व्यवस्था किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। बैंक स्टेटमेंट के मुताबिक, एक मार्च से 30 नवंबर 2025 के बीच उसके आईडीएफसी फर्स्ट बैंक खाते में करीब 2.29 करोड़ रुपये जमा हुए, जबकि 2.50 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हुई। इसमें 12 मार्च को अनूप अस्थाना के पक्ष में 98 लाख, 21 मार्च को सुयश अस्थाना के पक्ष में 1.21 करोड़ और 25 नवंबर को सुयश के खाते में 8.50 लाख रुपये आर्टीजीएस से भेजे गए। लेनदेन का वास्तविक लाभ नहीं मिला प्रणव का आरोप है कि इन लेनदेन का वास्तविक लाभ उसे नहीं मिला। प्रणव के मुताबिक, 25 जुलाई 2026 को परिवार की मदद से वह आरोपियों के प्रभाव से बाहर आया। इसके बाद 24 अगस्त को कौशलपुरी स्थित शिवानी कानपुर केक एंड प्लवायर्स से फूल खरीदकर लौटते समय दो अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने सुयश और अनूप के पास वापस लौटने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न करने की चेतावनी दी। मिली जान से मारने की धमकी

ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में उसने 26 अगस्त को नजीराबाद पुलिस और पुलिस आयुक्त को शिकायत भेजी थी। कार्रवाई न होने पर एसीजेएम प्रथम की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया। अदालत के आदेश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। मालूम हो कि इससे पहले प्रणव ने स्वरूप नगर थाने में बिल्डर पिता पुत्र समेत 14 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पांच नामजद, चार अन्य नाम और एक अज्ञात भी आरोपी नजीराबाद थाने में दर्ज की गई प्राथमिकी में अनूप अस्थाना, उसके बेटे सुयश अस्थाना, अरुण कुमार वर्मा, कमल प्रकाश दीक्षित और पूर्णिमा दीक्षित नामजद हैं। इनके अलावा श्रीराम, बेबी बिल्डर, बुजेंद्र नाथ मिश्रा, सोनू पंडित और एक अज्ञात व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है।

महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक से छिनेगा सुपरफास्ट का दर्जा, रेलवे का बड़ा फैसला एजेंसी

प्रयागराज नए साल से मुंबई रूट की तीन प्रमुख ट्रेनों का सफर सस्ता होने जा रहा है। रेलवे महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से सुपरफास्ट का दर्जा हटाने जा रहा है। एक जनवरी 2027 से इनके नंबर बदलने के साथ स्लीपर और एसी श्रेणियों के किराये में भी कमी आएगी। मुंबई तिलक के वाली तीन प्रमुख ट्रेनें महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक से अब सुपरफास्ट ट्रेन का दर्जा हटने जा रहा है। एक जनवरी 2027 से तीनों ही एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में संचालित होंगी।

सीएम योगी और रेल मंत्री ने वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी



एजेंसी **वाराणसी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जा रहा है। 31 अक्टूबर से वंदे भारत स्लीपर, मेमू और प्रयागराज के लिए नई रेल सेवा शुरू होने से कनेक्टिविटी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन इसी बदलते और विकसित होते भारत का हिस्सा है। आधुनिक रेल सेवाएं देश की

कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। वहीं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन से काशी से दिल्ली का सफर 3.5 घंटे में पूरा होगा। वहीं वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से आठ घंटे में सफर पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी की आबादी लगातार बढ़ रही है। यात्रियों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और शहर का दायरा तेजी से विस्तार

कर रहा है। ऐसे में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से यात्रियों को रातभर के सफर में आधुनिक और आरामदायक सुविधा मिलेगी। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को सहूलियत होगी। सीएम ने कहा कि छात्र अब वाराणसी सिटी से राजतालाब तक 95 रुपये के मासिक पास पर और

बेहतर होगा। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस, यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। 3 3 मिनट में तय होगी दूरी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन के नॉर्दन कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद पटना होते हुए गुवाहाटी तक जाएगी।

यूपी में दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल गई है। कॉरिडोर बनने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का एक घंटा 45 मिनट और लखनऊ का दो घंटे 12 मिनट में पूरा होगा। वहीं, दिल्ली से वाराणसी की दूरी महज तीन घंटे 33 मिनट में तय की जा सकेगी। सीएम योगी ने कहा कि रेलवे केवल एक स्थान से दूसरे

स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी गति देता है। बेहतर रेल नेटवर्क से व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों का विस्तार होता है। काशी जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले शहर में इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 अक्टूबर को वाराणसी से तीन महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की शुरुआत हो रही है। इनमें वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अलावा स्थानीय आवागमन को बेहतर बनाने के लिए मेमू ट्रेनें और प्रयागराज के लिए नई रेल सेवा शामिल हैं। मेमू ट्रेनों के संचालन से शहर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। वहीं, प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को भी एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा।

मां पर 11 साल के बेटे की हत्या का आरोप, बहन

बोली- पापा, मम्मी ने ही भाई को मार डाला

एजेंसी

प्रयागराज प्रयागराज के बहरिया में 11 साल के मासूम रामसुख की संदिग्ध मौत का मामला बड़ी बहन के बयान के बाद हत्या के आरोप तक पहुंच गया। पिता का आरोप है कि मां ने ही कपड़े के लेस से बेटे का गला दबाया। बहन ने पिता को घटना की जानकारी देते हुए खुद को भी धमकी देने की बात बताई। पुलिस ने आरोपी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। जिस मां की गोद में 11 साल का रामसुख खेलता था, उसी मां पर उसकी हत्या का आरोप लगा है। प्रयागराज के बहरिया थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव में मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला बड़ी बहन के बयान के बाद नया मोड़ ले चुका है। पिता की तहरीर और बेटी के आरोपों के आधार पर पुलिस ने मां सोना देवी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि मां ने कपड़े के लेस से गला दबाकर बेटे की हत्या की। घटना के बाद बेटी को भी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस आरोपी मंसूरपुर निवासी पूर्णिमासी लाल गौर्य के मुताबिक, 29 अक्तूबर को वह करेली में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान भतीजे महेंद्र ने फोन कर बेटे रामसुख की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की जानकारी दी। वह घर पहुंचा तो बेटे का शव दरवाजे पर रखा था। पिता ने पत्नी सोना देवी से घटना के बारे में पूछा तो उसने बताया कि रामसुख 28 अक्तूबर की रात सराय सुल्तान में रामलीला देखकर करीब 11 बजे घर लौटा था। गेट दर्द की शिकायत करने के बाद वह सो गया था। हालांकि, बेटे के गले पर निशान देखकर पिता को शक हुआ और उसने शव का पोस्टमार्टम कराया। पिता के मुताबिक, पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टर ने गला किसी पतली रस्सी या कपड़े से दबाए जाने की आशंका जताई। घटना के बाद से ही रामसुख की बड़ी बहन संगीता लगातार रो रही थी। 30 अक्तूबर को पिता ने उससे रोने की वजह पूछी तो उसने कथित तौर पर पूरी घटना बता दी।

कार और बाइक की भिड़ंत में चाचा-भतीजे की मौत, पांच लोग घायल

एजेंसी

हमीरपुर ग्नी के हमीरपुर जिले में सड़क हादसा हुआ। हादसा धनौरी गांव के पास हुआ। चाचा भतीजा बाइक से बहन के घर जा रहे थे। हमीरपुर मार्ग पर धनौरी गांव स्थित पौधशाला के पास शनिवार दोपहर अटिंगा कार और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायलों को सीएचएस में भर्ती कराया गया। जहां दो की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज उर्ईरफर कर दिया। मुस्करा थाना क्षेत्र के उपरहंका गांव के श्रीरामपुर डेरा निवासी रवि यादव ने बताया कि उनका छोटा भाई अरविंद कुमार (22) शनिवार दोपहर अपने चाचा संदेश कुमार (26) को बाइक पर बैठाकर भुजपुर कुनेहटा गांव निवासी



अपनी बहन के घर जा रहे थे। धनौरी गांव स्थित पौधशाला के पास सामने से आ रही अटिंगा कार से बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार अरविंद और सर्वेश की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक हेलमेट नहीं पहने थे। वहीं कार सवार छतरपुर की कमला कॉलोनी निवासी मालती परिहार (58), उनका बेटा अर्पित परिहार (28), गौरव सिंह (28), हरिसिंह (38) और

एजेंसी

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह में कुमार मंगलम बिड़ला ने युवाओं को जोखिम उठाने, अपने फैसले खुद लेने और बड़े सपने देखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत के अगले 25 साल निर्णायक होंगे। तकनीक, उद्यमिता और युवा आबादी नए अवसर पैदा कर रही हैं, जिन्हें मेहनत और दूरदृष्टि से उपलब्धियों में बदलना होगा। आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह में आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने युवाओं को सफलता के लिए जोखिम उठाने, अपने फैसले खुद लेने और बड़े सपने देखने का सं्र दिया। करीब 25 मिनट के दीक्षांत संबोधन में उन्होंने उद्योग जगत में अपनी पहचान बनाने के संघर्ष और अनुभवों को रोचक कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि शुरुआत करने के लिए इससे रोमांचक समय कोई दूसरा नहीं हो सकता, खासकर भारत जैसे देश में। आने वाले 25 साल भारत की वैश्विक पहचान को बदलने की क्षमता रखते हैं। कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि जिंदगी में अपने फैसले खुद लेने का साहस बनाए रखना चाहिए। जोखिम उठाए बिना कुछ बड़ा हासिल नहीं किया जा सकता। युवाओं को असफलता के डर से पीछे नहीं हटना चाहिए, बल्कि

चुनौतियों को अवसर में बदलने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने अपने संदेश को फिल्मी संवादों से भी जोड़ा। 'अपना टाइम आएगा', 'रिस्क नहीं तो कुछ नहीं' और 'जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं' जैसे लोकप्रिय संवादों का उल्लेख करते हुए उन्होंने इन्हें जीवन के अनुभवों से जोड़कर समझाया। उन्होंने कहा कि बदलते भारत में युवाओं के सामने अवसरों की कोई कमी नहीं है। हालांकि इन अवसरों को उपलब्धियों में बदलने के लिए मेहनत, साहस और दूरदृष्टि जरूरी है। विद्यार्थियों को अपने करियर को केवल नौकरी हासिल करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि देश और समाज के विकास में योगदान देने की सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बिड़ला ने कहा कि तकनीक, युवा आबादी, उद्यमिता और बढ़ती महत्वाकांक्षाएं मिलकर ऐसे अवसर पैदा कर रही हैं, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां भी नहीं कर सकती थीं। भारत के अगले 25 साल बेहत निर्णायक साबित होंगे। इसी तरह दीक्षांत समारोह में स्नातक हो रहे विद्यार्थियों के जीवन और करियर के अगले 25 साल भी उनके भविष्य की दिशा तय करेंगे। उनके सामने संभावनाओं का विशाल संसार खुला है। जरूरत है कि वे आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य चुनें और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

हटिया में फिर बेसमेंट की खोदाई बनी जानलेवा, मिट्टी में दबकर मजदूर की मौत

एजेंसी **कानपुर** पहले भी खोदाई के दौरान जुड़ी इमारत भरभराकर गिरी थी। पांच-छह लोग घायल हुए थे। घनी आबादी में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठे। हटिया बाजार में बेसमेंट की खोदाई के दौरान शुक्रवार देर शाम मिट्टी ढहने से मजदूर अनिल कुमार अग्रहारी (36) की दबकर मौत हो गई। गोपी बर्तन वाले के पास घनी आबादी के बीच चल रही खोदाई के दौरान हुए हादसे से अफरातफरी मच गई। साथी मजदूरों और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत कर उन्हें मिट्टी से बाहर निकाला और उर्सला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।हटिया क्षेत्र में बेसमेंट की खोदाई के दौरान यह हादसा नहीं है। इससे पहले भी खोदाई के चलते पास की जुड़ी हुई इमारत का कुछ हिस्सा भरभराकर गिर गया था। उसकी चोपट में आकर पांच से छह लोग बुरी तरह घायल हुए थे। लगातार हो रहे ऐसे हादसों के बावजूद घनी आबादी में खोदाई के दौरान सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अनिल मूलरूप से सुल्तानपुर जिले के लंभुआ थाना क्षेत्र के उडकाही गांव के रहने वाले थे। वह पिछले दो साल से शहर में रहकर मजदूरी कर रहे थे। पनकी निवासी ससुर कृष्णा गुप्ता और साले अरविंद ने बताया कि अनिल की पत्नी रूबी और दो बच्चे पल्लवी व कृष्णा हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार देर शाम गोपी बर्तन वाले के पास बेसमेंट की खोदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी ढह गई और अनिल उसके नीचे दब गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए मौके पर मौजूद मजदूरों ने आसपास के लोगों की मदद ली।

सरकार ने कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट 31 दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने घरेलू कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देने और उत्पादन लागत कम करने के लिए कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट की अवधि दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दी है। यह छूट पहले 31 अक्टूबर तक प्रभावी थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस फैसले से कपड़ा और परिधान क्षेत्र की उत्पादन लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका सीधा लाभ कपड़ा बनाने वाली कंपनियों और अंततः उपभोक्ताओं को मिलेगा। यह कदम बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस विस्तार से घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है।

बाइनैस पर अब तक का सबसे बड़ा साइबर हमला, 6.3 अरब की क्रिप्टो चोरी

उत्तर कोरिया पर संदेह, एक्सचेंज ने ग्राहकों के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकॉरेंसी एक्सचेंज बाइनैस को एक बड़े साइबर हमले का सामना करना पड़ा है, जिसमें हैकर्स ने अनुमानित 6.3 अरब डॉलर (लगभग 52,000 करोड़ रुपये) की क्रिप्टोकॉरेंसी चुरा ली।

इस घटना ने वैश्विक क्रिप्टो बाजार को हिला दिया है और विश्लेषकों ने इस चोरी के पीछे उत्तर कोरिया का हाथ होने का आरोप लगाया है, जिसे अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय डकैतियों में से एक बताया जा रहा है। बाइनैस पर हुआ यह जटिल हमला गुरुवार देर रात को लगभग 20 मिनट के भीतर अंजाम दिया गया, जिसने कंपनी के वॉलेट को हैकर्स के नियंत्रण वाले वॉलेट में क्रिप्टोकॉरेंसी स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। हमले की खबर सामने आते ही क्रिप्टोकॉरेंसी की कीमतों में तेजी से गिरावट आई और बाइनैस ने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए निकासी सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया। स्टैबलकॉइन जारी करने वाले कुछ कंपनियों ने चोरी की गई संपत्तियों में से लगभग आधी, यानी करीब 3 अरब डॉलर, को फ्रीज कर दिया है। अमेरिकी ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनियों और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अनुसार, इस हमले के तौर-तरीके उत्तर कोरिया की विशिष्ट हैकिंग इकाई द्वारा पहले किए गए बड़े साइबर हमलों से मिलते-जुलते हैं। 2025 में हुए बायबिट एक्सचेंज हमले के लिए भी एफबीआई ने उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया था, हालांकि उत्तर कोरिया ऐसे आरोपों से लगातार इनकार करता रहा है।

बाइनैस ने तुरंत घोषणा की है कि वह ग्राहकों के नुकसान की भरपाई अपने कोष से करेगी, जिसके लिए उसने लगभग 6.34 अरब डॉलर अलग रखे हैं। कंपनी के पास सुरक्षा में सेंधमारी की स्थिति में ग्राहकों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 1 अरब डॉलर का बिटकॉइन रिजर्व फंड भी है। बाइनैस एफबीआई और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर इस मामले की गहन जांच कर रहा है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर बताया कि निकासी सेवाएं अगले 48 घंटों में फिर से शुरू होने की उम्मीद है। इस सेंधमारी के बाद बिटकॉइन छह सप्ताह के निचले स्तर 76,368 डॉलर पर आ गया, जबकि ईथर भी 3 फीसदी से अधिक गिरकर 2,178 डॉलर रह गया।

एयू एसएफबी पर डेटा लीक का खतरा

हैकर्स का संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा

नई दिल्ली ।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एक संभावित डेटा लीक के बड़े खतरे में है। स्कारलेट ग्रुप नामक हैकिंग समूह ने बैंक के ग्राहकों और आंतरिक रिकॉर्ड से आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर जैसी संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा किया है। हैकर्स ने बैंक को बातचीत के लिए छह दिन की समय सीमा दी है और डेटा सार्वजनिक करने की धमकी दी है। बैंक ने हालांकि अपने मुख्य सिस्टम को सुरक्षित बताया है, पर सेल्सफोर्स ऐप से जुड़े सीमित डेटा ब्रीच की संभावना स्वीकार की है। हैकर्स का दावा है कि लीक हुए डेटा में ग्राहकों के आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर, बैंक स्टेटमेंट और ऋण संबंधी विवरण, साथ ही आंतरिक कंपनी रिकॉर्ड भी शामिल हैं। इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बैंक ने पुष्टि की है कि केवल उसके वाहन वित्त ग्राहकों से जुड़ी सीमित जानकारी प्रभावित हुई है। बैंक का कहना है कि मुख्य बैंकिंग सिस्टम अप्रभावित है और सभी सेवाएं सामान्य हैं; मामले की गहन जांच जारी है। ग्राहकों को अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने, ओटीपी/पिन/पासवर्ड साझा न करने, और निर्यात रूप से लेनदेन की जांच करने को कहा गया है। सदिध्ग गतिविधि की तत्काल सूचना बैंक को देने की सलाह दी गई है।

सरकार के सिंगल यूज उपकरण प्रतिबंध पर अस्पतालों का कड़ा विरोध

प्रमुख अस्पताल समूहों ने सरकार को सौंपा ज़ापन, डायलिसिस समेत कई सेवाएं होंगी प्रभावित

नई दिल्ली ।

देश के बड़े अस्पताल समूहों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी एसोसिएशनों ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें एक बार इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों के दोबारा उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उनकी चिंता है कि

इस निर्णय से जटिल बीमारियों के इलाज का खर्च 25 से 75 फीसदी तक बढ़ सकता है और डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित होंगी। वेजी, फांस के कानून के तहत प्रतिबंधित एक सरलीकृत संयुक्त शंेयर बाजार की कंपनी माया एसएएस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुपंगी कंपनी है। जैवियर नियल फ्रांस की दूरसंचार कंपनी इलियड के संस्थापक भी हैं, जो उन्हें

सीसीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, नियल अपनी पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के जरिए यह हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। वेजी, फांस के कानून के तहत प्रतिबंधित एक सरलीकृत संयुक्त शेयर बाजार की कंपनी माया एसएएस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुपंगी कंपनी है। जैवियर नियल फ्रांस की दूरसंचार कंपनी इलियड के संस्थापक भी हैं, जो उन्हें

उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने मारी बाजी

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी। शुरुआती झटकों और बीच में दबाव के बावजूद, निवेशकों के भरोसे ने बाजार को मजबूत वापसी करने में मदद की, और प्रमुख सूचकांकों ने लगभग 2 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार

को जोरदार गिरावट के साथ हुई, जहां संसेक्स 500 अंक से अधिक और निफ्टी 185 अंक से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने गंजब की वापसी करते हुए निचले स्तरों से लगभग 2 फीसदी की रिकवरी दर्ज की, और संसेक्स 482 अंक तथा निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार एक बार फिर वैश्विक दबाव में दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और फेड के

पीआईई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित पहला कीटनाशक अणु पेश किया

छह नवंबर से होगा व्यावसायिक इस्तेमाल

नई दिल्ली ।

पीआईई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित किए गए पहले कीटनाशक अणु पायोक्सानिलिप्रोल को लॉन्च किया है। एंथ्रानिलिक डायमाइड वर्ग का यह अभिनव उत्पाद 6 नवंबर को रबी सत्र के दौरान बाजार में उतारा जाएगा, जिसका प्रारंभिक लक्ष्य धान और मक्का की फसलें होंगी। कंपनी के एक अेधिकारी ने बताया कि पायोक्सानिलिप्रोल एक दशक से अधिक के गहन शोध का परिणाम है। इसे विशेष रूप से भारतीय कृषि परिस्थितियों और किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। धनरेस के अवसर पर इसकी शुरुआत में, कंपनी पहले चरण में धान और मक्का पर केंद्रित रहेगी, जिसे बाद में अन्य फसलों के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआत में इसे रबी सत्र के दौरान उन चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों में सीमित मात्रा में उतारा जाएगा जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, न कि एक साथ देशभर में। पीआईई इंडस्ट्रीज का लक्ष्य केवल बिक्री बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के साथ मिलकर काम करना है। इसके तहत लगभग एक लाख किसानों को नमूने उपलब्ध कराकर, खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे प्रतिक्रिया ली जाएगी।

महाराष्ट्र में लंबे अभियान के दौरान 18.94 करोड़ का खाद्य तेल जब्त

80 कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित, एफडीए आयुक्त ने मिलावटखोरों को चेताया

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य तेल में मिलावट और घटिया गुणवत्ता के खिलाफ चलाए गए सात महीने के अभियान में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने इस दौरान करीब 18.94 करोड़ रुपये मूल्य का 28,753 क्विंटल खाद्य तेल जब्त किया और 80 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए।

एफडीए ने एक अप्रैल से 29 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 1,089 निरीक्षण किए। इन छापों में खाद्य तेल निर्माताओं, रै-पैकिंग करने वालों, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को निशाना बनाया गया।

प्रयोगशाला जांच के लिए 1,660 नमूने एकत्र किए गए, जिनमें से 485 की रिपोर्ट आ चुकी है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंडे ने चेतावनी दी है कि मिलावटी या असुरक्षित तेल के निर्माण, भंडारण या बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने राज्य के सात मंडलों में 80 लाइसेंस निलंबित किए हैं, जिनमें छत्रपति संभाजीनगर में सर्वाधिक 27 और पुणे में 22 लाइसेंस शामिल हैं।

जब्त तेल की बात करें तो पुणे में सबसे अधिक 19,551 क्विंटल और छत्रपति संभाजीनगर में 5,736 क्विंटल तेल बरामद हुआ।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा

फैसले से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण गैप-डाउन ओपनिंग हुई। हालांकि, दिन के अंत तक बाजार ने अपनी अधिकांश गिरावट को कम कर दिया और लगभग सपाट बंद हुआ। बुधवार को भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। रिलायंस

इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में नुकसान के साथ-साथ कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले का ईंतजार बाजार पर हावी रहा। संसेक्स 352 अंक और निफ्टी 50 अंक से अधिक टूटकर बंद हुए।

चीन के शेयर बाजार में भारी गिरावट

निवेशकों को 329 लाख करोड़ का नुकसान

भारत और अमेरिका के शेयर बाजार भी चीन की राह पर ?

नई दिल्ली ।

दुनिया के शेयर बाजारों में इन दिनों जिस तरह की अनिश्चितता दिखाई दे रही है। उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में उतार-चढ़ाव केवल घरेलू अर्थव्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसका असर वैश्विक पूंजी, विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ रहा है।

चीन के शेयर बाजार में 52 सप्ताह तक लगातार गिरावट और 329 लाख करोड़ रुपये के नुकसान निवेशकों को होने की बात सामने आ रही है।

चीन के शेयर बाजार की गिरावट ने सभी शेयर बाजारों में

हलचल पैदा कर दी है। 25 अक्टूबर की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से चीनी शेयर बाजार का मूल्य लगभग 3। 5 लाख करोड़ डॉलर घट चुका है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 329 लाख करोड़ रुपये होता है। 30 अक्टूबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगातार 12वें सप्ताह गिरावट की ओर था। पिछले 12 सप्ताह में लगभग 14 प्रतिशत बाजार टूट चुका था। यह चीन के शेयर बाजार की कमजोरी का महत्वपूर्ण संकेत है।

चीन की गिरावट के आर्थिक कारण
चीन की अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत की कमजोरी, रियल एस्टेट क्षेत्र का संकट, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ट्रु) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का अत्यधिक मूल्यांकन प्रमुख

लायंस और सरकार का गैस विवाद अब मध्यस्थता से सुलझेगा-सुप्रीम कोर्ट

कृष्णा-गोदावरी बेसिन में गैस की कथित चोरी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और केंद्र सरकार के बीच लंबे समय से चले आ रहे लगभग 14,750 करोड़ रुपये के गैस विवाद को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायालय ने इस जटिल मामले को मध्यस्थता के लिए भेज दिया है और पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह विवाद कृष्णा-गोदावरी बेसिन में पड़ोसी ओएनजीसी गैस ब्लॉक से कथित तौर पर गैस निकालकर रिलायंस के ब्लॉक में पहुंचाने से संबंधित है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में मध्यस्थता का रास्ता तब चुना, जब उसने पाया कि दोनों पक्षों के बीच कोई आपसी सहमति वाला समाधान नहीं निकल पा रहा था। न्यायालय ने कहा कि न्यायमूर्ति देसाई को ऐसे न्यायमूर्ति के रूप में चुनना सही है, जिसमें मध्यस्थता फैसले को सुलझाने का व्यापक अनुभव है। न्यायालय

यह मामला रिलायंस और उसके सहयोगी कंपनियों की उस अपील से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रिलायंस के पक्ष में आए 14,750 करोड़ रुपये के पिछले मध्यस्थता फैसले को रद्द कर दिया था।

सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

- सोना 1.42 लाख, चांदी 1.85 लाख के पर

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में शे निवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ग्राहकों को खरीदारी का एक सुनहरा अवसर मिला है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जारी तेज बिकवाली का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखा। चांदी लगभग 11 महीने के अपने सबसे निचले स्तर 1,85,504 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट केवल आज की नहीं है, बल्कि शुक्रवार को भी राष्ट्रीय राजधानी में चांदी 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, जबकि सोना 1,300 रुपये की कमी के साथ 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक महंगाई की चिंताएं और अमेरिका में ब्याज दरों पर सख्त रख की आशंका इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। डॉलर की मजबूती और निवेशकों की रणनीति भी कीमती धातुओं पर दबाव डाल रही है। हालांकि, खरीदारों को सलाह दी जाती है कि आभूषणों की कुल लागत में मैकिंग चार्ज और जीएस्टी भी जुड़ते हैं।



35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पीछे अमेरिका के सरकारी बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक ब्याज मिलने, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एशियाई तकनीकी कंपनियों में निवेश के बढ़ते आकर्षण मुख्य कारण हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों में निवेश अधिक आकर्षक और सुरक्षित दिखाई दे रहा है।

जिओ की लिस्टिंग से मिली बाजार को राहत
भारतीय शेयर बाजार में अक्टूबर के अंतिम दिनों में कुछ सुधार जरूर आया है। 30 अक्टूबर को संसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। पूरे अक्टूबर में संसेक्स में 2.7 प्रतिशत और निफ्टी में 1.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई।

जतिन कुमार नायक ने संभाला इरेडा के चेयरमैन का पदभार

नई दिल्ली ।

जतिन कुमार नायक ने भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। नायक इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईसी लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। कंपनी के अनुसार नायक को तीन दशक से अधिक का व्यापक और विविध अनुभव है। वह आईसी की अनुपंगी कंपनी आईसी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने एनएचपीसी, हिंदुस्तान कॉपर, नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) और नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में भी काम किया है। उनका अनुभव बिजली क्षेत्र के साथ-साथ खनन एवं धातु जैसे संसाधन-आधारित उद्योगों में भी रहा है। नायक ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। इससे पहले मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिए मंजूरी दी थी।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में की भारी बिकवाली, 22,012 करोड़ के शेयर बेचे

घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश किया

नई दिल्ली ।

अक्टूबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से 22,012 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे उनकी इस साल की कुल बिकवाली 2.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि, एफपीआई की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार मजबूत बने रहे, जिसका मुख्य श्रेय घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की रिकॉर्ड खरीदारी और प्राथमिक बाजार में आए दमदार आईपीओ को जाता है। आंकड़ों के अनुसार, जहां एफपीआई ने सेकेंडरी बाजार से बड़ी निकासी की, वहीं उन्होंने प्राथमिक बाजार, जिसमें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शामिल हैं, के जरिये 12,902 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह पिछले 15 महीनों में प्राथमिक बाजारों में उनका सबसे बड़ा निवेश है, जिसने सेकेंडरी बाजार में बिकवाली के असर को कुछ मार्जिन पर दबाव प्रमुख है।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा



ललित गर्ग

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्मस की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की



सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कुतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब

बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बड़े। दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल पन्युचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती

और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है। रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज। अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मियता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर सांगम है। उन्होंने कहा कि ऋभ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे थार।:- इस तरह 'जियो' केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवन संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कुतज्ञता से जोड़ने का अनूठ दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चोपट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वेंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ रहा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरिक्त दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलु यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बड़ी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टरस पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होगा। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परागण समाज ने अनेक प्रकार की क्रांतांओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अध्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है।



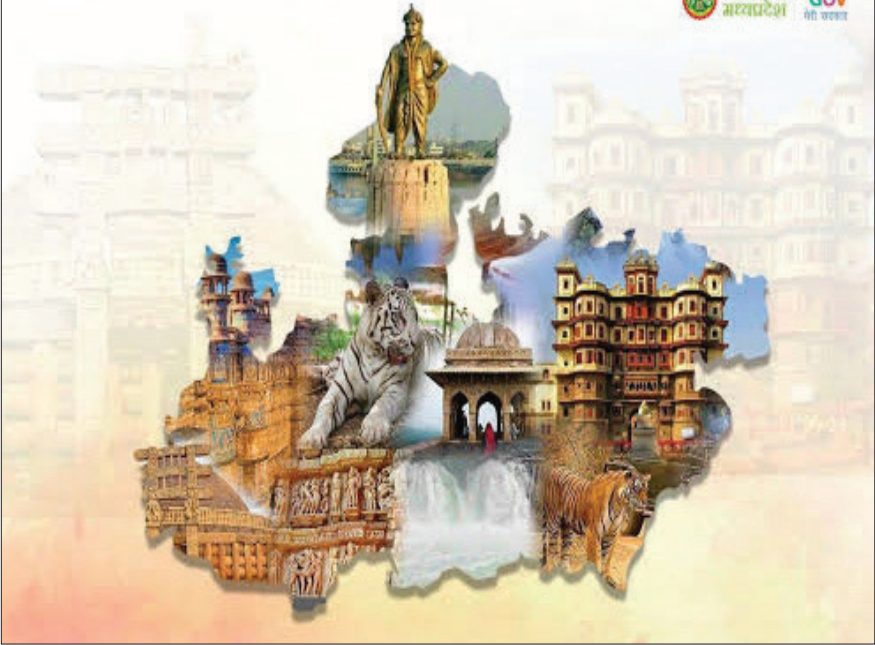
हेमेंद्र क्षीरसागर

एक नवंबर मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। वर्ष 1956 को इसी तिथि में राज्यों के पुनर्गठन के साथ मध्यप्रदेश अस्तित्व में आया। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ के पृथक होने के बाद इसका वर्तमान स्वरूप बना। स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों, स्मरण और शेष चुनौतियों के आकलन का समय भी है। भारत के मध्यभाग में स्थित मध्यप्रदेश देश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। इसकी सीमाएँ उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान से मिलती हैं। केंद्रीय भौगोलिक स्थिति इसे सड़क, रेल, व्यापार और अंतरराज्यीय संपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। नर्मदा घाटी, विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियाँ तथा चंबल, मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल जैसे भौगोलिक-सांस्कृतिक क्षेत्र प्रदेश की विविधता को दर्शाते हैं। देश के हृदय में मध्यप्रदेश अपनी ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता, वन संपदा और कृषि क्षमता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। सांची, खजुराहो और



सौरभ वार्ण्य

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रूढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएँ तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है। किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित



भोमबेटका जैसे विश्वविख्यात धरोहर स्थल, उज्जैन की धार्मिक परंपरा। नर्मदा, क्षिप्रा, चंबल ताप्ती, सोन, वैनांगा सहित प्रमुख नदियाँ इसकी पहचान को समृद्ध बनाती हैं। गोंड, बैगा, भील और अन्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति भी प्रदेश की अमूल्य विरासत है। इस धरोहर का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ पर्यटन का विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के लिए देश में विशिष्ट स्थान रखता है। कांहा, बांधवगढ़, पेंच,

पन्ना, सतपुड़ा, माधव, वन विहार, संजय, कूनों और अन्य राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। चीता व जंगली भैंसा पुनर्स्थापना, बाघ संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास। पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से इनका विशेष महत्व है। ये उद्यान प्रकृति पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। धान, गेहूँ, सोयाबीन, दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ किसानों को उचित मूल्य। भंडारण, प्रसंस्करण और

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के

मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर

रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है। निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संक्षिप्त डायरी

नालंदा में 5 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला, 20 कंपनियां करेंगी ऑन-द-स्पॉट भर्ती

एजेंसी पटना। बिहार के नालंदा जिले में शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए 5 नवंबर 2026 को नियोजन सह मार्गदर्शन मेला आयोजित किया जाएगा। जिला नियोजनालय की ओर से बिहारशरीफ स्थित संयुक्त श्रम भवन में सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक मेले का आयोजन होगा। बिहार के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए नौकरी पाने का अच्छा अवसर मिलने जा रहा है। नालंदा जिले में 5 नवंबर को भव्य नियोजन सह मार्गदर्शन मेला-2026 आयोजित किया जाएगा। इस मेले में निजी क्षेत्र की करीब 20 नामी कंपनियां हिस्सा लेंगी और योग्य अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर मौके पर ही चयन करेंगी। बैंकिंग, वित्त, बीमा, स्वास्थ्य, शिक्षा, मैनुफैक्चरिंग, रिटेल और लॉजिस्टिक्स सहित कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही युवाओं को करियर काउंसलिंग, कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। 5 नवंबर को संयुक्त श्रम भवन में लगेगा रोजगार मेला बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के निर्देश पर जिला नियोजनालय, नालंदा की ओर से इस एक दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 5 नवंबर 2026 को बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय परिसर के निकट स्थित संयुक्त श्रम भवन में लगेगा। मेले का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला नियोजनालय के अनुसार, इसका उद्देश्य जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनके बेहतर भविष्य की राह आसान बनाना है। जिला नियोजनालय से मिली जानकारी के अनुसार, रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की करीब 20 प्रतिष्ठित और अग्रणी कंपनियों के शामिल होने की पुष्टि हुई है। ये कंपनियां बैंकिंग एवं वित्त, जीवन बीमा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, मैनुफैक्चरिंग, रिटेल, डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में खाली पदों के लिए महिला और पुरुष अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेंगी। योग्य उम्मीदवारों का चयन मौके पर ही किया जाएगा। ल्ल इस मेले में सामाजिक समावेशन का भी ध्यान रखा गया है। राज्य सरकार के नियमानुसार कुल रिकित्यों में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए चार प्रतिशत पद आरक्षित रखे गए हैं। इससे दिव्यांग युवाओं को भी रोजगार पाने का अवसर मिलेगा। नौकरी के साथ करियर काउंसलिंग और स्वरोजगार की जानकारी नियोजन सह मार्गदर्शन मेले की खास बात यह है कि यहां युवाओं को केवल नौकरी के अवसर ही नहीं मिलेंगे, बल्कि उन्हें करियर से जुड़ी सही दिशा भी दिखाई जाएगी। इसके लिए मेले में विशेष करियर एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन डेस्क बनाए जाएंगे। यह मौजूद विशेषज्ञ युवाओं को मौजूदा रोजगार बाजार की मांग, जरूरी कौशल और कौशल संवर्धन से जुड़े विकल्पों की जानकारी देंगे। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से युवाओं को सरकारी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना और स्वरोजगार के लिए उपलब्ध सरकारी ऋण एवं अनुदान योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इससे नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के साथ अपना व्यवसाय शुरू करने की इच्छा रखने वाले अभ्यर्थियों को भी मदद मिलेगी। रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों के लिए बिहार रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। जिला नियोजनालय, नालंदा ने जिले के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। अभ्यर्थियों को मेले में शामिल होने के लिए अपनै शैक्षणिक प्रमाणपत्र और बायोडाटा साथ लेकर निर्धारित समय पर पहुंचना होगा। इस पहल के जरिए युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी पाने के साथ करियर और स्वरोजगार के नए विकल्पों की जानकारी मिल सकेगी।

बिहार के कितने जिलों में बारिश का अलर्ट, पटना में अगले पांच दिनों तक कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी पटना। मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के 13 जिलों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवा की चेतावनी जारी की है। पटना में आज भी धूप नहीं निकली। सुबह से ही ठंड महसूस हो रही है। मौसम विभाग ने लोगों में सावधानी बरतने की अपील की है। बिहार में कुछवाती तूफान से अर्न्ध का असर धीरे-धीरे कम होने लगा है। पिछले कुछ दिनों से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हो रही बारिश के बाद अब मौसम में सुधार की उम्मीद है। हालांकि, शनिवार को भी 13 जिलों में बारिश, गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। पटना समेत कई जिलों में सुबह से ही रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार, शनिवार दोपहर के बाद बारिश की गतिविधियों में कमी आ सकती है। इसके बावजूद कई इलाकों में बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट से सुबह और शाम के समय ठंड का एहसास बढ़ने लगा है। 13 जिलों में बारिश और वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग ने शनिवार को बिहार के 13 जिलों में खराब मौसम की आशंका जताई है। इन जिलों में बारिश के साथ गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवा चल सकती है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उत्तर बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सारण, सीवान, गोपालगंज, सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर बारिश होने के आसार हैं। पटना में अगले पांच दिनों तक कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विज्ञान केन्द्र के पूर्वानुमान के मुताबिक, 31 अक्तूबर को पटना में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। एक नवंबर को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना बनी रहेगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 और 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दो नवंबर को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदबांंदी हो सकती है। इस दिन अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। तीन नवंबर को राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। बारिश का कोई स्पष्ट उल्लेख पूर्वानुमान में नहीं है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। चार नवंबर को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पटना में अगले पांच दिनों के कितना रहेगा तापमान? पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के कई जिलों में बारिश और बादल छाए रहने के कारण अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पटना में भी बारिश का असर दिन के तापमान पर पड़ा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बारिश की गतिविधियां कम होने के बाद मौसम में धीरे-धीरे बदलाव हो सकता है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट के कारण लोगों को हल्की ठंड महसूस होने की संभावना है। अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वज्रपात और तेज हवा के दौरान बरतें सावधानी मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। गरज-चमक और वज्रपात के समय खुले मैदान में जाने से बचें। पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं के नीचे खड़े न हों। तेज हवा और बारिश के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें। किसानों को भी खेतों में काम करते समय मौसम के पूर्वानुमान पर ध्यान देने और खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर काम करने से बचने की सलाह दी जाती है।

प्रदेशप्रदेश में बनेगी सरदार पटेल सबसे ऊंची प्रतिमा, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का एलान

एजेंसी पटना। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार में उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। पटना में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में उन्होंने वर्ष 2030 तक एक करोड़ लोगों को रोजगार देने और स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़े सुधार का लक्ष्य भी बताया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 31 अक्तूबर 2026 को भारत रत्न लीह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर बिहार में उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में यह एलान किया। मुख्यमंत्री ने सरदार



पटेल को आधुनिक भारत का शिल्पकार और राष्ट्रीय एकता का महान प्रतीक बताया। यह समारोह साझी विरासत अभियान द्वारा सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित बापू सभागार में आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार

10वीं-12वीं के डमी प्रवेश पत्र जारी, सुधार के लिए एक हफ्ते का समय,

एजेंसी पटना। बिहार बोर्ड ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2027 का डमी एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। विद्यार्थी 1 से 7 नवंबर 2026 तक अपना डमी एडमिट कार्ड डाउनलोड कर विवरण जांच सकते हैं। किसी भी त्रुटि का सुधार शिक्षण संस्थान के प्रधान के माध्यम से ऑनलाइन कराया जाएगा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2027 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के डमी एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। बोर्ड ने ऑनलाइन भर्त गए रजिस्ट्रेशन एवं परीक्षा फॉर्म के आधार पर विद्यार्थियों का डमी एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है। बोर्ड ने विद्यार्थियों को इसमें दर्ज सभी विवरणों की जांच करने और गलती मिलने पर निर्धारित अवधि में सुधार कराने का निर्देश दिया है। कहां से डाउनलोड किया जा सकता है डमी प्रवेश पत्र? डमी एडमिट कार्ड बोर्ड की वेबसाइटों से डाउनलोड किए जा सकते हैं। दोनों कक्षाओं के लिए अलग-अलग वेबसाइट बताई गई हैं: 1 से 7 नवंबर तक करवा सकते हैं सुधार बिहार बोर्ड के जारी नोटिस के अनुसार, विद्यार्थी 1 नवंबर 2026 से 7 नवंबर 2026 तक डमी एडमिट कार्ड में दर्ज विवरणों की जांच कर सकते हैं और त्रुटियों का सुधार करवा सकते हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि केवल प्रधानाध्यापक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थी भी अपना डमी एडमिट कार्ड स्वयं डाउनलोड करके उसमें दी गई जानकारी देख सकते हैं। हालांकि, यदि किसी प्रकार की गलती मिलती है, तो उसका ऑनलाइन सुधार संबंधित शिक्षण संस्थान के प्रधान के माध्यम से ही कराया जाएगा। नाम और माता-पिता के नाम में पूर्ण बदलाव संभव नहीं बिहार बोर्ड ने डमी एडमिट कार्ड में सुधार को लेकर एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। नोटिस के अनुसार, विद्यार्थी के नाम या उसके माता-पिता के नाम में पूर्ण परिवर्तन संभव नहीं है। इसलिए विद्यार्थियों को इन विवरणों की विशेष रूप से जांच करनी चाहिए। यदि कोई त्रुटि दिखाई देती है, तो समय रहते अपने स्कूल या कॉलेज के प्रधान से संपर्क करें।

किसानों को इस खास का लाभ लेने का आखिरी मौका

एजेंसी पटना। पटना में आज कई अहम गतिविधियां होंगी। एक दिन पहले लॉबित मांगों को लेकर नगर निमकर्मী ने प्रदर्शन किया था। आज नगर निगम की मेयर ने स्थायी समिति थी बैठक बुलाई है। वहीं बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए नए क्षेत्रों में गन्ना फसल का क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम शुरू किया है। इसका उद्देश्य गन्ने की खेती को उन इलाकों तक पहुंचाना है, जहां अभी इसकी खेती नहीं होती या बहुत कम होती है। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्म का गन्ना बीज निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। चीनी मिल क्षेत्र के अंतर्गत केन केयर पोर्टल पर गन्ना रहित चिह्नित गांवों के सभी रैयत और गैर-रैयत किसान योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना के तहत न्यूनतम 0.25 एकड़ और अधिकतम 2.5 एकड़ तक का लाभ मिलेगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2026 निर्धारित की

आयोजित होगी। पहले यह बैठक 30 अक्तूबर को होनी थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई थी। बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए नए क्षेत्रों में गन्ना फसल का क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम शुरू किया है। इसका उद्देश्य गन्ने की खेती को उन इलाकों तक पहुंचाना है, जहां अभी इसकी खेती नहीं होती या बहुत कम होती है। इसके लिए किसानों को उन्नत किस्म का गन्ना बीज निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। चीनी मिल क्षेत्र के अंतर्गत केन केयर पोर्टल पर गन्ना रहित चिह्नित गांवों के सभी रैयत और गैर-रैयत किसान योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना के तहत न्यूनतम 0.25 एकड़ और अधिकतम 2.5 एकड़ तक का लाभ मिलेगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2026 निर्धारित की

नशा मुक्ति केंद्र में 24 वर्षीय युवक की मौत

एजेंसी पटना। सासाराम के नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में 24 वर्षीय युवक की मौत के बाद परिजनों और अन्य मरीजों ने हंगामा किया। केंद्र संचालक पर मारपीट, इलाज में लापरवाही और पैसे मांगने के आरोप लगे हैं। मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रोहतास जिले के सासाराम स्थित नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में शनिवार को एक युवक की मौत पर जमकर हंगामा हुआ। घटना से नाराज मृत युवक के परिजन एवं केंद्र में भर्ती अन्य बच्चों ने हंगामा करते हुए केंद्र संचालक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल इस घटना के बाद नशा मुक्ति केंद्र की कार्यशैली पर कई सवाल उठ रहे हैं। औरंगाबाद जिले का था मृतक प्राप्त जानकारी के अनुसार मृत युवक औरंगाबाद जिले के ओबरा (दुर्गा चौक) निवासी प्रेम



कुमार सोनी का 24 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार सोनी बताया जाता है। वह शराब, गांजा और ब्राउन शुगर का आदी था, जिसको देखते हुए परिजनों ने उसे सासाराम स्थित नशा एवं पुनर्वास मुक्ति केंद्र में बीते 15 अक्तूबर को भर्ती कराया था। परिजनों एवं हंगामा कर रहे अन्य लोगों का कहना है कि नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती बच्चों के साथ मारपीट

प्रदेश

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2030 तक बिहार में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा। उन्होंने नवंबर 2030 तक एक करोड़ परिवारों को उद्योग जगत से जोड़ने का भी लक्ष्य निर्धारित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार के लिए मजबूरी में बिहार से बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिए राज्य में उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है। औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। सौर ऊर्जा संयंत्र, ताप विद्युत संयंत्र और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। बिहार की लगभग 14 करोड़ आबादी में युवाओं की बड़ी भागीदारी को राज्य की सबसे बड़ी ताकत

पटना-मुजफ्फरपुर के रेस्टोरेंट में रेड, कहां मिला बासी खाना

एजेंसी पटना। पटना और मुजफ्फरपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने कई होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई सामान जब्त कर नष्ट कराया गया। कई रेस्टोरेंट में बासी और एक्सपायर्ड सामग्री मिली। पटना में त्योहारों और रोजमर्रा के खानपान के बीच लोगों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य संरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को विभाग की टीम ने पटना और मुजफ्फरपुर के कई होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान कहीं बासी और एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिली तो कहीं शाकाहारी और मांसाहारी भोजन एक साथ रखा पाया गया। खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। कई जगह से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए, जबकि खराब सामग्री जब्त कर नष्ट कराई गई। अनमोल होटल से 36,650 रुपये की सामग्री जब्त पटना के बुद्ध मार्ग स्थित जीपीओ के पास मेसर्स अनमोल होटल में निरीक्षण के दौरान किचन की साफ-सफाई में कमी



और खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिला। टीम ने पनीर, रेस्टेड चिकन, ग्रेवी, मंचूरियन मसाला, व्हाइट ग्रेवी मिसस, कच्चा चिकन, पनीर फ्राई, मशरूम, मंचूरियन और कटी हुई सब्जियां समेत कुल 36,650 रुपये की खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट कराई। प्रतिष्ठान से पनीर और चिकन के नमूने भी लिए गए। जांच में कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र, पेस्ट कंट्रोल रिपोर्ट और वाटर टैस्टिंग रिपोर्ट उपलब्ध नहीं मिली। खाद्य सामग्री के भंडारण में फर्स्ट इन, फर्स्ट आउट (फोफो) नियम का पालन भी नहीं किया जा रहा था। विभाग ने होटल को सात दिनों के भीतर कर्मियां दूर करने का

नोटिस दिया है। द बिरयानी मॉल का किचन तीन दिन बंद फ्रेंजर रोड स्थित द बिरयानी मॉल में निरीक्षण के दौरान एक्सपायर्ड दूध, अमूल चीज और डेयरी क्रीम समेत अन्य सामग्री मिली। टीम ने करीब दो हजार रुपये की सामग्री जब्त कर नष्ट कराई। यहां से कच्चे चिकन के दो नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए। खाद्य सुरक्षा मानकों में गंभीर कमी मिलने पर विभाग ने तीन दिनों तक किचन बंद रखने का निर्देश दिया। वहीं, बोरिंग केनाल रोड स्थित कोलकाता बिरयानी महल में किचन की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिली। कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र, वाटर टैस्टिंग रिपोर्ट और पेस्ट कंट्रोल से जुड़े दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। टीम ने कच्चे चिकन और मिर्च पाउडर के नमूने लिए। किचन की अस्पष्ट स्थिति को देखते हुए इसे दो दिनों तक बंद रखने का निर्देश दिया गया। बिरयानी महल और बिरयानी बूज में भी मिली गड़बड़ी आशियाना-दीघा रोड स्थित बिरयानी महल में टीम ने 13 किलो हाफ बॉयलड चिकन, तीन किलो वेज आइटम और डेढ़ किलो उबला हुआ मटन जब्त कर नष्ट कराया। ज्वन्त सामग्री की कीमत करीब 3,150 रुपये बताई गई है। एंसेक पुरी स्थित बिरयानी बूज में शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थ एक साथ रखे मिले। कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र, पानी की जांच रिपोर्ट और खाद्य सामग्री के भंडारण से जुड़े फोफो और एफडीएफओ नियमों की व्यवस्था भी नहीं मिली। टीम ने कच्चे बासमती चावल का नमूना लिया। बिरयानी महल और मटन महल भी पहुंची टीम एंसेक पुरी के बोरिंग रोड स्थित बिरयानी महल में भी वाटर टैस्टिंग रिपोर्ट, पेस्ट कंट्रोल प्रमाण पत्र और कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं मिले।

मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग को लेकर विवाद, छात्रों के दो गुट आमने-सामने; परिसर में तनाव

एजेंसी पटना। मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग को लेकर छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर विवाद होने की खबर सामने आई है। देखते ही देखते कॉलेज परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया। छात्रों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि कॉलेज परिसर में अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग को लेकर छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद होने की खबर सामने आई है। देखते ही देखते कॉलेज परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया। विवाद बढ़ने के बाद परिसर में अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। जानकारी के अनुसार, रैगिंग को लेकर प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच गुरुवार रात से ही तनाव बना हुआ था। दोनों पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद शुक्रवार को और गहरा गया। देखते ही देखते दोनों गुट आमने-सामने आ गए। इस दौरान उनके बीच मारपीट होने की भी सूचना मिली। घटना के बाद कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। छात्रों के बीच विवाद और हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, बड़ी संख्या में छात्रों की



मौजूदगी के बीच स्थिति को नियंत्रित करने में पुलिस को परेशानी का सामना करना पड़ा। कॉलेज परिसर में काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। इधर, कॉलेज के प्राचार्य ने मारपीट की घटना से इनकार किया है। उनका कहना है कि प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, लेकिन मारपीट की कोई घटना नहीं हुई है। फिलहाल, इस पूरे मामले में छात्रों के बीच विवाद की वास्तविक वजह और रैगिंग के आरोपों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना ने एक बार फिर इंजीनियरिंग कॉलेजों में रैगिंग पर रोक लगाने और छात्रावासों व परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चार साल बाद मिला पत्नी की हत्या का इंसाफ, पति को आजीवन कारावास; पिता ने ही दर्ज कराया था केस

एजेंसी पटना। रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र के टीपा गांव में पंकज सिंह ने लगभग चार वर्ष पूर्व अपनी पत्नी ज्योति सिंह को फोन पर बात करने से नाराज होकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिता के आवेदन पर केस हुआ और अब कोर्ट ने पति को सजा सुनाई है। रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र में चार वर्ष पूर्व पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दोषी करार दिए गए पति के खिलाफ शुक्रवार को अदालत ने सख्त फैसला सुनाया। कोर्ट ने मामले के एकमात्र अभियुक्त पंकज सिंह को सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही, विभिन्न धाराओं के तहत उस पर कुल 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुमानें की राशि जमा नहीं करने की स्थिति में दोषी को अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। सर में देसी कट्टे से गोली मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बता दें कि झारखंड के जपला की रहने वाली ज्योति सिंह की शादी वर्ष 2020 में पंकज सिंह से हुई थी। दोनों को एक बेटी भी है। मामले में आरोपी पंकज सिंह के पिता राजेश्वर सिंह ने ही घटना की जानकारी पुलिस को दी थी और अपने पुत्र के खिलाफ नौहट्टा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पंकज सिंह को एक देसी कट्टा और खोखे के साथ गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में सासाराम के अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी चंद्र विकास ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 10 गवाहों की गवाही कराई गई थी। इसके बाद अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-14 प्रहलाद कुमार को अदालत ने अभियुक्त पंकज सिंह को हत्या और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाते हुए अर्थदंड के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोषी को अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी।



पैन पैसिफिक ओपन के फाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडेज

टोक्यो। पैन पैसिफिक ओपन 2026 में कनाडा की स्टार टेनिस खिलाड़ी लेयला फर्नांडेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में डायना श्नाइडर ने मिया पोहांकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।कनाडा की लेयला फर्नांडेज ने सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को 7-5, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला एक घंटे 54 मिनट तक चला। फर्नांडेज को दोनों सेटों में शुरुआती समय में ब्रेक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। लेयला फर्नांडेज के लिए यह साल का तीसरा डब्लू फाइनल होगा। एशियाई दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने सितंबर में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था, जहां उन्होंने तालिया गिब्सन को हराया था। हालांकि, पिछले सप्ताह निंगबो ओपन के फाइनल में उन्हें एलेना रिबाकिनिका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

डायना श्नाइडर ने भी फाइनल में बनाई जगह

दूसरे सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली 18 वर्षीय मिया पोहांकोवा को 6-4, 7-6 (7) से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 46 मिनट तक चला। श्नाइडर ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक के बाद वापसी की और 6-4 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में उन्हें टाईब्रेक के दौरान सेट प्वाइंट भी बचाना पड़ा।दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पोहांकोवा ने सेट जीतने का मौका बनाया, लेकिन श्नाइडर ने शानदार खेल दिखाते हुए सेट प्वाइंट बचा लिया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक 9-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ श्नाइडर ने सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला

जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 28 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को हरा दिया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को



50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।' युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी

तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे... नहीं चला भुवनेश्वर का जादू!

चार साल बाद की थी वापसी, आकाश चोपड़ा ने जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी भुवनेश्वर की वापसी को लेकर निराशा जाहिर की है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही, जैसी भारतीय प्रशंसकों और टीम मैनेजमेंट को उनसे उम्मीद थी। यही वजह रही कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह मयंक यादव को मौका दिया गया।

चोपड़ा ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों में भुवनेश्वर ने काफी रन खर्च किए, जिसके बाद उनकी वापसी पर सवाल उठने लगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'इंजरी की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को वनडे टीम में नहीं चुना गया। भुवी को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उन्होंने शुरुआती तीन टी20 मैचों में इतने रन दिए हैं कि उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं।' चौथे टी20 में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने ने उनकी वापसी पर उठ रहे सवाल को और गहरा दिया है। भुवी की वापसी वैसी नहीं रही है जैसी इंडियन फैस उम्मीद कर रहे थे।'

चौथे टी20 में भी भारतीय गेंदबाजों ने लुटाए 259 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय गेंदबाजी एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। भुवनेश्वर कुमार की गैरमौजूदगी में उतरी भारतीय टीम ने 259 रन खर्च कर दिए। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाज 172 रन ही बना सके और टीम को 87 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भुवनेश्वर की जगह मयंक यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी की कमजोरियां इस मैच में भी उजागर हुईं।

पांचवें टी20 में भुवनेश्वर की वापसी पर नजर

अब सभी की निगाहें सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले पर टिकी हैं। यदि भुवनेश्वर कुमार को इस मैच में भी मौका नहीं मिलता है, तो उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर को लेकर चर्चाएं और तेज हो सकती हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुकी है। टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने की होगी, जबकि न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज का अंत 3-2 से करना चाहेगा।

हॉंगकॉंगसिक्सेस: भारत ने लगाई हार की हैट्रिक! अब इंग्लैंड ने हराया

मोंग कोक। हॉंगकॉंग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब इंग्लैंड ने भी भारत को हरा दिया है। शनिवार को खेले गए बाउल सेमीफाइनल-2 में इंग्लैंड ने भारत को तीन रन से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी हार झेली। अब भारत को टूर्नामेंट



में 11वें और 12वें स्थान के लिए मुकाबला खेलना होगा।भारत को यूएई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टिन क्वॉंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने छह ओवर में छह विकेट पर 94 रन बनाए। भारत की ओर से टी. नटराजन ने 14 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 24 और कप्तान कृणाल पंड्या ने 15 रन का योगदान दिया। हालांकि, बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में यूएई ने 95 रन का लक्ष्य महज 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। कप्तान खालिद शाह ने 14 गेंदों में नाबाद 52 और अंश टंडन ने 12 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए।

जापान को 4-1 से हराया, अभिषेक-हरमनप्रीत और विष्णुकांत ने दागे गोल



भारतीय हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

जालंधर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच बार की चैंपियन भारत ने खेले गए मुकाबले में जापान को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत के हीरो अभिषेक नैन रहे, जिन्होंने दो शानदार मैदानी गोल दागे। भारत की ओर से अभिषेक नैन ने 11वें और 51वें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा, जबकि विष्णुकांत सिंह ने 56वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। जापान की ओर से एकमात्र गोल शोता यामादा ने 15वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

पहले हाफ में जापान ने दी कड़ी चुनौती

मुकाबले की शुरुआत में जापान ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, जापानी खिलाड़ी केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से चूक गया। शुरुआती मिनटों में भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने खेल को संभालने की कोशिश की। इसी बीच 11वें मिनट में भारत ने शानदार गोल बनाते हुए

आखिरी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने बदला मैच का रुख

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकुमी कितागावा ने शानदार बचाव किया। 36वें मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। तीन क्वार्टर तक स्कोर 1-1 रहने के बाद भारतीय टीम ने आखिरी 15 मिनट में आक्रामक खेल दिखाया। 46वें मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार लो फ्लिक के जरिए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 51वें मिनट में अभिषेक ने बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले यानी 56वें मिनट में विष्णुकांत सिंह ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के सटीक एरियल पास को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया।

बढ़त हासिल कर ली। हार्दिक सिंह ने सर्कल के अंदर सुखजीत सिंह को गेंद दी, जिन्होंने अभिषेक को पास दिया। अभिषेक ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। यह अभिषेक का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था। हालांकि, जापान ने हार नहीं मानी। पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

अब मलेशिया से होगा भारत का अगला मुकाबला

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले बांग्लादेश को 13-0 और चीन को 5-2 से हराया था। वहीं, जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-2 और बांग्लादेश को 1-0 से मात दी थी। भारत का अगला मुकाबला रविवार को मलेशिया से होगा। हाल ही में आयोजित आइवी-नागोया एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराया था। वहीं, जापान की टीम अगले मुकाबले में चीन से भिड़ेगी।

दूसरे प्रयास के दौरान गेंद भारतीय खिलाड़ी संजय के शरीर से टकराई, जिसके बाद जापान को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। 15वें मिनट में शोता यामादा ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जापान ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमों 1-1 की बराबरी पर रही।

भारत vs न्यूजीलैंड...

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, नबी की हुई एंट्री

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। चयन समिति ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहले तीन वनडे मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इससे पहले उन्हें सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था। अब वह सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

आकिब की पहले तीन वनडे में भी हुई एंट्री

आकिब को प्रसिद्ध कृष्णा की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध फलहाल चोट की वजह से हिंदैब में हैं और उनका टीम में शामिल होना फिटनेस टेस्ट पर आधारित था, लेकिन वह समय से फिट नहीं हो पाए हैं और ऐसे में आकिब को शामिल करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम अपडेट जारी करते हुए बताया कि पुरुष चयन समिति ने आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भी टीम में शामिल किया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। अब उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में जगह मिल गई है। इस बदलाव के बाद वह पूरी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है।



पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम

पहले तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल कप्तान होंगे और श्रेयस अय्यर उपकप्तान रहेंगे। टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। ईशान किशन को विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है। पहले तीन वनडे के लिए टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़ा, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे), आकिब नबी।

दो वनडे के लिए अलग टीम

सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए भी भारतीय टीम में बदलाव है। इन मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तानी करेंगे, जबकि ईशान किशन उपकप्तान होंगे। तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और यश ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है। चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर, उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बराड़ा, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने

अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'विरासत' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक: द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया। पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे। पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साईंस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द

सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यवहार को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था। पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ी और लॉस एंजलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरिडिज नजर आए।

पांच साल बाद फिर साथ दिखेगी रजनीकांत और नयनतारा जोड़ी

'जेलर 2' के बाद अब सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धर्मन' की रिलीज का फैसला बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अब इस मूवी से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। दरअसल, 'थलाइवा' की 'धर्मन' में एक्ट्रेस नयनतारा की भी एंट्री हो गई है। बता दें कि इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और नयनतारा पांच साल बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार साल 2021 में आई फिल्म 'अन्नाथे' में साथ काम किया था।

नयनतारा का किरदार क्या होगा और इसकी कहानी किस बारे में है, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कब रिलीज होगी 'धर्मन'

फिल्म 'धर्मन' का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं, जबकि इसे एक्टर और फिल्ममेकर कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी और टीम अब तक कई शेड्यूल पूरे कर चुकी है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, फिल्म को पोंगल 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

प्रोडक्शन हाउस ने किया नयनतारा का स्वागत

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की जानकारी दी। एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'अब हमदार अंदाज दुगुना होने वाला है। फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का स्वागत है।'

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं नयनतारा और रजनीकांत

नयनतारा और रजनीकांत इससे पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इनमें 'चंद्रमुखी' (2005), 'कुसेलन' (2008), 'दरबार' (2020) और 'अन्नाथे' (2021) शामिल हैं। हालांकि, फिल्म 'धर्मन' में



बैचलर पार्टी डी'यू में पॉली का किरदार निभाएंगी ज्योतिर्मयी

मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म 'बैचलर पार्टी डी'यू' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, 'ज्योतिर्मयी इज पॉली।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यू' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमलु' से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंकाको बोबन, टोविनो थॉमस, सोबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शाराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शाराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सोबिन शाहिर फिल्म में डेनी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सरपेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, 'हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द इविल्स आर हियर।' इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।



से कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि क्या कहानी का उनकी जिंदगी से कोई संबंध है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यूवी फिल्मस के बेनर तले प्रदीप रंगवानी ने किया है। फिल्म में ईशा देओल, सीमा बिस्वास, तिममाथु धुलिया और मिलिंद गुनाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'प्रताप' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के आधिकारिक यूट्यूब ट्रेलर के कमेंट सेक्शन में दर्शकों की यह उत्सुकता साफ नजर आ रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि क्या अमित साध का किरदार किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है। एक यूजर ने पूछा, 'कहीं ये दया नायक की स्टोरी तो नहीं है?' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये सचिन वाजे की लाइफ से इन्सपिरड है क्या?' एक दर्शक ने सवाल किया, 'क्या यह सचिन वाजे की कहानी पर आधारित है?' कुछ अन्य दर्शकों ने भी फिल्म की कहानी के सचिन वाजे या दया नायक की जिंदगी से जुड़े होने की संभावना पर सवाल उठाए। कई दर्शकों द्वारा इसी तरह के सवाल पूछे जाने से साफ है कि ट्रेलर ने अमित साध के किरदार और उसकी पृष्ठभूमि को लेकर लोगों की जिज्ञासा बढ़ा दी है। जहां फैंस सोशल मीडिया पर फिल्म की संभावित वास्तविक प्रेरणा को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि 'प्रताप' की कहानी किसी खास पुलिस अधिकारी से प्रेरित है या फिर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की दुनिया पर आधारित एक कार्यात्मक कहानी है। फिलहाल, फिल्म के किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी पर आधारित होने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आयशा खान ने फिल्म 'उड़ता तीर' की जमकर सराहना की

आयुष्मान खुराना स्टारर क्रॉस-बॉर्डर स्पाई-कॉमेडी (जासूसी हास्य) फिल्म 'उड़ता तीर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री आयशा खान ने फिल्म की जमकर सराहना की। साथ ही, सभी से फिल्म देखने की अपील भी की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के एक हास्य सीन की विलफ शेयर की, जिसमें अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेता संदीप आनंद नजर आ रहे हैं। आयशा खान ने इस विलफ की तारीफ करते हुए लिखा, 'मैं संदीप आनंद की बहुत बड़ी फैन हूँ और कल उन्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने क्या परफॉर्मेंस दी है। मजे ही आ गए तारिक (संदीप आनंद का किरदार) और आप जानते हैं कि अगर आयुष्मान इसमें हैं तो फिल्म धमाकेदार ही होगी।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म ने उन्हें बिल्कुल भी बोरे नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'इस फिल्म में एक भी किरदार कमजोर नहीं है, शानदार टाइमिंग, इतने अच्छे लिखे हुए सीन्स, कल थिएटर में हंस-हंस के मेरी जान निकल गई, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, प्लीज अपनी फैमिली के साथ थिएटर में जाकर इस फिल्म को जरूर देखें, पैसा वसूल है। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी सबसे बेस्ट पार्ट में से एक है और स्टोरीलाइन आपको आखिर तक बांधे रखती है, क्लाइमैक्स तो कमाल का है, बस अभी जाओ और देखें।' फिल्म 'उड़ता तीर' को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दर्शकों के अनुसार, फिल्म का पहला हाफ काफी मनोरंजक, तेज और मजेदार है, जिसमें सिचुएशनल कॉमेडी और वन-लाइनर्स अच्छे लगते हैं। वहीं, दूसरा हाफ थोड़ा सुस्त और डिडिक्टिव है (अनुमान लगाने योग्य) हो जाता है, जहां फिल्म स्पाई कॉमेडी से हटकर देशभक्ति और गंभीर जॉनर की तरफ मुड़ने की कोशिश में थोड़ी उलझ जाती है। आयुष्मान खुराना की कॉमिक टाइमिंग और कंप्यूज्ड एक्सप्रेसंस की काफी तारीफ हो रही है। साथ ही सारा अली खान और सपोर्टिंग कास्ट के काम को भी पसंद किया जा रहा है।

निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नए प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, 'मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूँ। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूँ, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूँ और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूँ और अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूँ। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूँ कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।' सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।





भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, विक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रीस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

कृषि विज्ञान में कैरियर की संभावनाएं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से



सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का खयाल रखें, तो इसे आसानी से विलयर कर सकते हैं। नए फाइनेंशियल इंडर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फ़िर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैडिडेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे विलयर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।



जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनमी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अबल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतां के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकॉनमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनेंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी

अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले

सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।



जर्नलिज्म, बेस्ट कैरियर

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है। दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैगजींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएंटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकैंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही

मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैगजींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैगजींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दबू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।